मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 10 अंक 18
गुरुवार, 23 जुलाई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस-भाजपा कार्यकताओं में भिडंत, बीच सड़क हुआ टकराव

नई दिल्ली, 22 जुलाई। राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) के मुद्दे पर शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन बुधवार को पूरे देश में कांग्रेस और भाजपा की ताकत प्रदर्शन के रूप में तब्दील हो गया और दोनों दलों के बीच कई स्थानों पर झड़पें होने तथा तनावपूर्ण हालात पैदा होने की खबरें मिली। दोनों दलों के कार्यकर्ता प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरने पर बैठे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और विपक्ष के अन्य नेताओं को जबरन हटाए जाने के एक दिन बाद बड़े पैमाने पर सड़कों पर उतरे। कांग्रेस कार्यकर्ता एवं नेता मंगलवार रात हिरासत में लिये गए और बाद में रिहा किए गए पार्टी नेताओं के साथ पुलिस की कथित 'सख्ती' और 'दुर्व्यवहार' से आक्रोशित थे।

वहीं, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गांधी और विपक्षी नेताओं के 'अनियंत्रित और अराजक व्यवहार' के खिलाफ विरोध जताया। राहुल गांधी ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों का समर्थन करते हुए बुधवार को परीक्षा में हुई गड़बड़ियों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, सोमवार को हुई हिंसा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से माफी, छात्रों पर हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई और शिक्षा में सुधार की मांग की। कई जगहों पर दोनों पार्टियों के नेताओं और कार्यकताओं ने अपने-अपने प्रदेश अध्यक्षों के नेतृत्व में एक-दूसरे के दफ्तरों तक मार्च करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया और उनमें से कई को हिरासत में ले लिया।

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में, भाजपा के प्रदेश कार्यालय के नजदीक राज्य की विपक्षी भाजपा और सत्तारूढ़ कांग्रेस कार्यकताओं के बीच हिंसक झड़प में एक महिला पुलिस कॉन्स्टेबल समेत दो लोग घायल हो गए। टकराव तब शुरू हुआ जब पुलिस ने कांग्रेस कार्यकताओं और पार्टी विधान पार्षद (एमएलसी) वेंकट बालमूर के नेतृत्व वाले समूह को रोक दिया। बालमूर-नीत समूह भाजपा कार्यालय तक मार्च करने का प्रयास कर रहा था। यह मार्च भाजपा के कुछ नेताओं और सदस्यों द्वारा प्रदेश कांग्रेस कार्यालय की ओर कूच करने की कोशिश के जवाब में किया जा रहा था। आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ता प्रदर्शन के दौरान आमने-सामने आ गए और उनके बीच झड़प हो गई, जिससे तनाव फैल गया। दोनों पार्टियों ने एक-दूसरे पर हिंसा और उकसावे का आरोप लगाया।

बिहार की राजधानी पटना में भी भाजपा और कांग्रेस के कार्यकताओं के बीच उस समय झड़प हुई, जब सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकताओं ने विपक्ष पर 'अराजकता' फैलाने का आरोप लगाते हुए एक जुलूस निकाला। बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी के नेतृत्व में भाजपा का मार्च सदाकत आश्रम स्थित बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी (बीपीसीसी) मुख्यालय के गेट तक पहुंचा, जिसमें पार्टी कार्यकर्ता गांधी के विरोध में पोस्टर और बैनर लिये हुए थे। लाठी लिये कांग्रेस कार्यकताओं के भाजपा के जुलूस के सामने आने और दोनों पक्षों के बीच झड़प होने के बाद पुलिस ने हस्तक्षेप किया। इस दौरान कई लोग घायल हो गए। हालांकि, घायलों की संख्या के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई।

बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र में शामिल हो रहे दोनों सदनों के सदस्यों को अंदर ही बंद कर दिया गया, क्योंकि प्रशासन ने विधानसभा परिसर को सील करने का आदेश दिया था। यह आदेश तब दिया गया जब प्रदर्शनकारियों का एक समूह प्रतिबंधित क्षेत्र में घुस गया। इनमें से अधिकतर प्रदर्शनकारी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के छात्र संगठन आइसा से जुड़े थे। जम्मू में कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय के नजदीक शहीदी चौक पर भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए, जिसके बाद भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा और अवरोधक लगाने पड़े। मध्यप्रदेश के जालना से सांसद और कांग्रेस नेता कल्याण काले के घर के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान दोनों पार्टियों के बीच टकराव देखने को मिला।

भाजपा के विरोध प्रदर्शन की खबर मिलते ही कांग्रेस कार्यकर्ता सांसद के दफ्तर पहुंचे और जवाबी प्रदर्शन किया। पुलिस ने बताया कि दोनों पार्टियों के कार्यकताओं ने एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की, जिससे कुछ समय के लिए तनावपूर्ण माहौल बन गया। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव और पार्टी के कई नेताओं को राष्ट्रीय राजधानी में विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में ले लिया गया। महाराष्ट्र में, मुंबई स्थित महाराष्ट्र भाजपा कार्यालय की ओर मार्च करते समय कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के नेतृत्व में पार्टी नेताओं को हिरासत में लिया गया। नेताओं का आरोप है कि पुलिस ने उन्हें जबरन हटाया और वाहन में बिठा लिया। सपकाल ने आरोप लगाया कि नरन्द्र मोदी सरकार ने लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर किया है और नीट प्रश्नपत्र लीक समेत परीक्षाओं में बार-बार होने वाली गड़बड़ियों को दूर करने में नाकाम रही है। भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष और विधायक अमित साटम के नेतृत्व में पार्टी ने दक्षिण मुंबई में मार्च निकाला राहुल गांधी से अपने पासपोर्ट की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष विदेश यात्राओं के दौरान भारत के 'दुश्मनों' से मुलाकात की थी और वे देश में अराजकता फैलाने पर आमादा हैं। उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (उबाठा) ने भी लगातार तीसरे दिन परीक्षा में गड़बड़ियों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर मुंबई के अलग-अलग हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किया।

राहुल गांधी का बड़ा बयान- देश में 10 सालों में 152 पेपर लीक हुए हैं

नई दिल्ली, 22 जुलाई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद मार्ग और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों का समर्थन करते हुए केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए आरोप लगाया है कि देश की शिक्षा व्यवस्था न केवल भ्रष्ट हो चुकी है, बल्कि यह सामान्य परिवारों की पहुंच से भी बाहर होती जा रही है।

राहुल गांधी ने सरकार के सामने रखीं ये 3 प्रमुख मांगें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को परीक्षा घोटालों और प्रशासनिक विफलता की जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत इस्तीफा देना चाहिए। प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार करने वाले सुरक्षाकर्मियों व अधिकारियों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई हो। देश के करोड़ों छात्रों के भविष्य के साथ हुए खिलवाड़ और उन पर हुए अत्याचार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुद सामने आकर छात्रों से माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस नेता ने आंकड़े जारी करते हुए कहा कि बीते 10 सालों में 152 पेपर लीक हुए हैं। लेकिन इनमें पाए गए दोषियों को सजा नहीं हुई है। राहुल गांधी के अनुसार, इन घोटालों से देश के लगभग 7.5 करोड़ छात्र और उनके परिवारवाले इससे प्रभावित हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि जहाँ सरकार का कुल शिक्षा बजट करीब 1.4 लाख करोड़ है, वहीं अकेले NEET जैसी परीक्षाओं की तैयारी में देश के परिवार लगभग 1.32 लाख करोड़ खर्च कर देते हैं। इसके बावजूद अंत में उन्हें पेपर रद्द होने या लीक होने की खबर मिलती है। राहुल गांधी ने बताया की बीते दिन संसद मार्च के दौरान पुलिस द्वारा जब उन्हें हिरासत में लिया गया और उनके साथ धक्का- मुक्की की घटना हुई तो मेरे मुंह से खून निकल रहा था। लेकिन मुझे अपनी कोई परवाह नहीं है। मेरे साथ चाहे पांच गुना बुरा व्यवहार हो, ध्यान छात्रों के मुख्य मुद्दे से नहीं भटकना चाहिए। इसी के साथ उन्होंने कहा कि छात्रों की मांगें 1000% जायज हैं और कांग्रेस पार्टी उनके हक की लड़ाई में अंत तक साथ खड़ी रहेगी।

NEET मुद्दे पर संसद में गतिरोध जारीः सरकार चर्चा के लिए तैयार, विपक्ष प्रधान के इस्तीफे पर अड़ा

नई दिल्ली, 22 जुलाई। बुधवार को लगातार तीसरे दिन भी संसद के मॉनसून सत्र की कार्यवाही बार-बार स्थगित होने के कारण बाधित रही। दोनों सदनों को कल तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। विपक्ष केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की अपनी मांग पर अड़ा हुआ है। जहां राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और जेपी नड्डा ने कहा कि सरकार NEET-UG पेपर लीक और अन्य मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार है, वहीं विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संसद में निष्पक्ष चर्चा के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पहले इस्तीफा देना होगा। विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की बैठक दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

वहीं, तृणमूल कांग्रेस के सदस्य कल्याण बनर्जी को सदन में कुछ महिला सदस्यों से अभद्रता और दुर्व्यवहार के मामले में चालू सत्र की शेष अवधि के लिए लोकसभा से निलंबित कर दिया गया। किरेन रीजीजू ने संसद में कहा कि सरकार नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में सदन में चर्चा के लिए सौ प्रतिशत तैयार है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस बहाने बनाकर चर्चा से बचना चाहती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं आपके (आसन के) माध्यम से सरकार का पक्ष रखना चाहता हूं कि मानसून सत्र की शुरूआत से ही सरकार ने कहा है कि जो भी महत्वपूर्ण मुद्दे हैं उन पर और नीट प्रश्न पत्र लीक के विषय पर हम चर्चा के लिए तैयार हैं। हम अब भी तैयार हैं। उन्होंने सदन को जानकारी दी कि सरकार ने कांग्रेस और अन्य पार्टी के नेताओं को भी इस बारे में बताया था।

रीजीजू ने दावा किया कि विपक्ष इस मुद्दे पर चर्चा नहीं करना चाहता है और इसीलिए वह बहाने बनाकर सदन की कार्यवाही में बाधा डाल रहा है, जो ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं के भविष्य के लिए, छात्रों के भविष्य के लिए नीट परीक्षा से जुड़े विषय पर चर्चा के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। सरकार ने एक एक करके जो भी कदम उठाये हैं, उन्हें देश के सामने रखना हमारा दायित्व है। मानसून सत्र शुरू होने के बाद नीट प्रश्न पत्र लीक मामले में छात्रों के आंदोलन को लेकर विपक्ष के हंगामे के कारण संसद में जारी गतिरोध के बीच राज्यसभा में बुधवार को सदन के नेता जेपी नड्डा ने विपक्ष पर संसद की मर्यादाओं को तार-तार करके प्रजातांत्रिक मूल्यों का हनन करने का आरोप लगाया। नड्डा ने कहा विपक्ष की ओर इंगित करते हुए कहा कि ये जो इंडी गठबंधन है, उसका व्यवहार बहुत गैर जिम्मेदाराना है। यह प्रजातांत्रिक विरोधी गतिविधि साफ-साफ संसद में दिख रही है।

टीएमसी पर दोहरा एक्शनः विधानसभा से कुणाल घोष और लोकसभा सांसद कल्याण बनर्जी सस्पेंड

कोलकता, 22 जुलाई। तृणमूल कांग्रेस के विधायक कुणाल घोष को विधानसभा से उस दिन के लिए सस्पेंड कर दिया गया, जब उन्होंने होम और हिल अफेयर्स बजट पर चर्चा के दौरान बागी टीएसमी चीफ व्हिप अखरुज्जमां की बात में दखल दिया। स्पीकर के आदेश के बाद, मार्शल कुणाल घोष को जबरदस्ती सदन से बाहर ले गए। मंत्री तापस रॉय ने स्पीकर से कुणाल घोष को इस सत्र के लिए सस्पेंड करने का प्रस्ताव रखा। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने घोष के व्यवहार को स्वीकार्य नहीं बताया। सीएम अधिकारी ने कहा कि इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। हम भी विपक्ष में हैं, लेकिन कुछ ज़िम्मेदारी होती है। अखरुज्जमां एक सीनियर विधायक हैं और उनके पिता भी लंबे समय तक विधायक रहे थे।

इस बीच, एक और घटनाक्रम में, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी को संसद के मौजूदा मॉनसून सत्र की बाकी अवधि के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया। यह प्रस्ताव महिला सांसदों के प्रति अभद्र व्यवहार और अमर्यादित भाषा के इस्तेमाल के आरोपों के बाद लाया गया।

छात्रों को गुमराह कर रहा विपक्षः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 22 जुलाई। 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसक झड़पों के बाद, बुधवार को भी जारी रहा। राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए, कई स्तरों पर बैरिकेड लगाए गए और पुलिस व अर्धसैनिक बलों के जवानों की भारी तैनाती की गई। वहीं, विपक्ष भी सरकार पर हमलावर है। इस बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बड़ा बयान सामने आया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि दिल्ली में जारी विरोध-प्रदर्शन गंभीर चिंता का विषय हैं। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश

के छात्रों और युवाओं को कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए एक राजनीतिक औजार के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार विद्यार्थियों और युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने और उनके कल्याण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि हमारे छात्रों की हर चिंता को सुनना और उसका समाधान करना हमारी जिम्मेदारी है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भारत के जागरूक, परिपक्व और विवेकशील युवा ऐसे भ्रामक प्रयासों को भली-भांति समझते हैं और वे प्रगति, विकास तथा राष्ट्रनिर्माण के मार्ग को ही चुनेंगे।

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
- 34+ Years of Academic Excellence
- Experienced & Dedicated Faculty
- Personal Attention
- Printed Notes & Regular Tests
- Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

संवाद से सशक्त होगा लोकतंत्र, हिंसा से नहीं

-ललित गर्ग

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद भवन तक हाल के आंदोलन के दौरान जो तनाव, टकराव और हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं, वे केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बैरिकेड तोड़ने के प्रयास, मेट्रो स्टेशन में जबरन प्रवेश की कोशिश, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग-ये सभी दृश्य उस लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुरूप नहीं कहे जा सकते, जिसकी आधारशिला अहिंसा, संवाद और संवैधानिक मयार्दाओं पर रखी गई है। भारत आज आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक महाशक्ति बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी पर भी स्वयं को सिद्ध करने का अवसर है। यदि हम आज भी असहमति को हिंसा, टकराव और अराजकता के माध्यम से व्यक्त करेंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होगी। लोकतंत्र की शक्ति सड़क पर शक्ति-प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति, संवाद की संस्कृति और संवैधानिक प्रक्रियाओं में निहित होती है।

राहुल गांधी द्वारा नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर चल रहे घरना-प्रदर्शन के दौरान अचानक अपने सहयोगी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जिस प्रकार इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी के तथाकथित छात्रों एवं कार्यकताओं ने संसद चलो मार्च के दौरान तनावपूर्ण, अराजक एवं हिंसक माहौल बनाने की घटनाएं सामने आईं, उससे यह आशंका बलवती हुई कि कुछ राजनीतिक शक्तियां भारत में भी नेपाल जैसी अराजक परिस्थितियां पैदा करने को उजावले हैं। सरकार की सतर्कता और सुरक्षा एजेंसियों की समय रहते की गई कार्रवाई से, कुछ कमियों के बावजूद, इस बड़े संकट को टाल दिया गया, अन्यथा दिल्ली लंबे समय तक हिंसा और अशांति की चपेट में आ सकती थी। देश पहले भी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान शाहीन बाग में लगभग सौ दिनों तक एक प्रमुख सड़क के अवरुद्ध रहने और उससे आम नागरिकों को हुई भारी कठिनाइयों का अनुभव कर चुका है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार निर्विवाद है, लेकिन उसका स्थान संसद, संवाद और संवैधानिक संस्थाएं हैं, न कि सड़क पर टकराव और अराजकता। विपक्ष यदि बार-बार ऐसे आंदोलनों को प्रोत्साहित करता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करना है या राजनीतिक ध्रुवीकरण और अस्थिरता को बढ़ावा देना। जनता अपेक्षा करती है कि सभी दल संसद को सर्वोच्च मंच मानते हुए वहीं जवाबदेही सुनिश्चित करें।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ कर्तव्य और मयार्दा भी जुड़ी होती है। प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, पुलिस से टकराव करना, हिंसा फैलाना अथवा आम नागरिकों के जीवन को बाधित करना किसी भी दृष्टि से लोकतांत्रिक आचरण नहीं कहा जा सकता। यदि आंदोलन अपनी नैतिक शक्ति खो देता है, तो उसकी मांगें भी समाज की सहानुभूति खो बैठती हैं। यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र केवल जनता के लिए नहीं, बल्कि सरकार के लिए भी उत्तरदायित्व का नाम है। सरकार को भी आंदोलनों को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं देखना चाहिए। जब भी किसी वर्ग, विशेषकर युवाओं और छात्रों में असंतोष उत्पन्न हो, तो उसका समय रहते समाधान खोजने का प्रयास होना चाहिए। संवाद के दरवाजे जितनी जल्दी खुलेंगे, टकराव की संभावनाएं उतनी ही कम होंगी। लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी शक्ति उसका धैर्य, संवेदनशीलता और संवाद की इच्छा होती है।

इतिहास साक्षी है कि भारत के अधिकांश सफल जनआंदोलन अहिंसा और संवाद की शक्ति से ही सफल हुए हैं। महात्मा गांधी ने विश्व को यह संदेश दिया कि सत्य और अहिंसा सबसे बड़े अस्त्र हैं। वर्ष 2011 का अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन भी इसका उदाहरण है। लाखों लोग सड़कों पर उतरे, लेकिन आंदोलन का नैतिक बल उसकी शांति और अनुशासन में था। उसी कारण सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना पड़ा और पूरे देश में एक सकारात्मक बहस प्रारंभ हुई। इसके विपरीत जहां-जहां आंदोलनों ने हिंसा का मार्ग अपनाया, वहां उनका मूल उद्देश्य पीछे छूट गया और चर्चा केवल हिंसा तक सीमित होकर रह गई। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर ऐसी कौन-सी शक्तियां हैं, जो सामान्य और भोली-भाली जनता एवं देश के युवाओं को हिंसा की ओर धकेल देती हैं? कौन-से तत्व आंदोलनों की दिशा बदलकर उन्हें अराजकता में परिवर्तित कर देते हैं? यह चिंता केवल सरकार की नहीं, पूरे समाज की होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन यदि असहमति के मंच पर राष्ट्रविरोधी, अराजक अथवा हिंसक तत्व सक्रिय हो जाएं, तो उन्हें नियंत्रित करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व बन जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता की स्वतंत्रता नहीं हो सकता। संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ ण्वं अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है। लोकतंत्र की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन अधिक आक्रामक है, बल्कि इस बात में है कि कौन अधिक संयमित और उत्तरदायी है। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों लोकतंत्र के दो पहिए हैं। यदि दोनों के बीच संवाद समाप्त हो जाएगा, तो लोकतंत्र टकराव का अखाड़ा बन जाएगा। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि असहमति को सम्मानपूर्वक सुनना भी है। लोकतंत्र में किसी की पूर्ण विजय या पूर्ण पराजय नहीं होती, यहां अंततः संवाद, सहमति और समाधान ही सबसे बड़ी जीत होती है।

छात्रों और युवाओं की समस्याओं का समाधान भी अत्यंत आवश्यक है। युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा हैं। यदि उनकी आशाओं और अपेक्षाओं की उपेक्षा होगी, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह युवाओं से नियमित संवाद स्थापित करे, उनकी समस्याओं को समयबद्ध ढंग से सुने और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए। वहीं युवाओं को भी यह समझना होगा कि हिंसा उनके आंदोलन की सबसे बड़ी शत्रु है। पत्थर और लाठी किसी समस्या का समाधान नहीं करते, वे केवल संवाद के पुलों को तोड़ते हैं। आज आवश्यकता लोकतंत्र को अधिक परिपक्व बनाने की है। हमें ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें विरोध हो, लेकिन वैमनस्य न हो। मतभेद हों, लेकिन मनभेद न हों। संघर्ष हो, लेकिन हिंसा न हो। लोकतंत्र में बहस जितनी प्रखर होगी, राष्ट्र उतना ही मजबूत होगा। किंतु बहस का स्थान यदि हिंसा ले लेगी, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत होगी। जंतर-मंतर से संसद तक जो कुछ हुआ, उसे लोकतांत्रिक आदर्श नहीं कहा जा सकता। यह किसी परिपक्व राजनीतिक सोच का भी परिचायक नहीं है। राष्ट्र निर्माण का मार्ग टकराव नहीं, सहयोग है। हिंसा नहीं, सहमति है। उग्रता नहीं, उदारता है। इसलिए आवश्यक है कि सभी पक्ष अपने-अपने आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें। आज देश को ऐसे नेतृत्व और ऐसी जनचेतना की आवश्यकता है जो संवाद को संघर्ष से ऊपर रखे। सरकार उदारता और संवेदनशीलता दिखाए, आंदोलनकारी संयम और अनुशासन अपनाएं तथा राजनीतिक दल अल्पकालिक लाभ के बजाय लोकतंत्र की दीर्घकालिक मजबूती को प्राथमिकता दें। यही भारत की लोकतांत्रिक परंपरा की वास्तविक पहचान भी है और भविष्य की आवश्यकता भी। अंततः यही कामना की जानी चाहिए कि जिन शक्तियों के कारण आंदोलनों में हिंसा और टकराव का वातावरण बनता है, उन्हें सद्बुद्धि प्राप्त हो। सभी पक्ष संवाद की मेज पर बैठें, अपनी बात तर्क, तथ्यों और संवैधानिक मयार्दाओं के साथ रखें तथा समाधान का मार्ग खोजें। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विजय किसी पक्ष की जीत नहीं होती, बल्कि वह क्षण होता है जब विरोधी पक्ष भी एक-दूसरे की बात सुनने और समझने के लिए तैयार हो जाते हैं। यही आदर्श लोकतंत्र की पहचान है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत बुनियाद भी है।

परीक्षा प्रणाली का संकट और राजनीतिक अखाड़ा

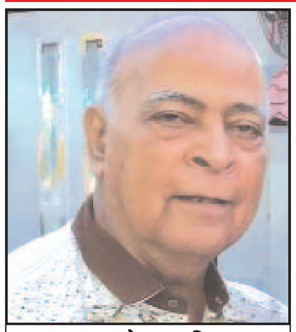

अशोक भाटिया

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा को लेकर उठा बवंडर अब महज एक परीक्षा की शुचिता, पेपर लीक के दावों या नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की प्रशासनिक विफलताओं तक सीमित नहीं रह गया है। यह विवाद अब देश की दिशा तय करने वाले एक गहरे राजनीतिक भंवर में तब्दील हो चुका है। देश के लाखों युवाओं और उनके परिवारों का भविष्य दांव पर है, लेकिन सत्ता पक्ष को घेरने के नाम पर विपक्षी खेमे में जो नया 'खेल' शुरू हुआ है, उसने एक बेहद संवेदनशील मुद्दे को आपसी प्रतिद्वंद्विता के अखाड़े में बदल दिया है। संसद से लेकर सड़क तक, विपक्षी एकता की जिस 'इंडिया' दीवार को दिखाने की कोशिश की जा रही थी, उसमें दरारें अब साफ नजर आने लगी हैं। विशेष रूप से आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच NEET के मुद्दे पर शुरू हुआ 'क्रेडिट वार' यह साबित करता है कि राजनीति के लिए छात्रों का दर्द कई बार सिर्फ एक चुनावी हथियार बनकर रह जाता है।

हालिया घटनाक्रमों ने यह साफ कर दिया है कि विपक्षी एकजुटता केवल एक तात्कालिक चुनावी गणित थी, न कि किसी दीर्घकालिक विचारधारा का नतीजा। NEET पेपर लीक मामले में जब देश के छात्र जंतर-मंतर पर एक महीने से अधिक समय से तपती धूप में इंसाफ की गुहार लगा रहे थे, तब विपक्ष के दोनों प्रमुख घटक दल अपनी अलग-अलग रोटियां सेकने में व्यस्त थे। इस विवाद ने तब नया मोड़ ले लिया जब आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस पर भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर 'फिक्स्ड मैच' खेलने का सीधा और गंभीर आरोप लगा दिया। आप का यह दावा कि केंद्र सरकार और कांग्रेस के बीच पर्दे के पीछे कोई 'जुगलबंदी' चल रही है, राजनीति के गिरते स्तर और विपक्षी दलों के बीच गहरे अविश्वास को दशार्ता है।

आप का यह तर्क कि जंतर-मंतर पर आंदोलनरत छात्रों की आवाज को दबाने के लिए कांग्रेस ने जानबूझकर प्रधानमंत्री आवास के घेराव का 'इवेंट' रचा, राजनीति की उस कड़वी सच्चाई को उजागर करता है जहां हर दल खुद को मुख्य नायक साबित करना चाहता है। आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का यह आरोप कि कांग्रेस के प्रदर्शन करते ही सरकार के मंत्रियों का बातचीत के लिए आगे आना एक पूर्व-नियोजित नाटक था, कांग्रेस के उस आक्रामक तेवर पर पानी फेरने की कोशिश है जिसे राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे स्थापित करना चाह रहे थे।

2024 के लोकसभा चुनावों में सीटों की संख्या में सुधार के बाद कांग्रेस खुद को विपक्ष के स्वाभाविक और एकमात्र नेता के रूप में पेश करने की पुरजोर कोशिश कर रही है। NEET विवाद में कांग्रेस का रवैया इसी रणनीति का हिस्सा नजर आता है। पार्टी ने न केवल संसद के भीतर स्थगन प्रस्तावों के जरिए सरकार को घेरने की कोशिश की, बल्कि 'छात्रों की गूंज' जैसे 40 दिनों के लंबे देशव्यापी अभियान की घोषणा कर यह संदेश देने का प्रयास किया कि छात्रों के मुद्दों पर केवल वही सबसे बड़ी लड़ाई लड़ सकती है। 21 जुलाई को दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास की तरफ कांग्रेस का मार्च और प्रमुख नेताओं की हिरासत, इस मुद्दे पर एकाधिकार जमाने की एक सोची-समझी कोशिश थी। कांग्रेस यह भली-भांति जानती है कि शिक्षा और बेरोजगारी ऐसे मुद्दे हैं जो देश के मध्यम और निम्न-मध्यम वर्ग को सीधे प्रभावित करते हैं। इसलिए, वह इस आंदोलन की कमान किसी क्षेत्रीय दल या छात्र संगठन के हाथ में नहीं जाने देना चाहती। लेकिन इसी आक्रामकता ने उसके अपने ही सहयोगियों, जैसे आम आदमी पार्टी, को असहज कर दिया है। दूसरी तरफ, आम आदमी पार्टी की छटपटाहट भी समझ में आती है। दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में सत्तासीन AAP खुद को एक राष्ट्रीय विकल्प के रूप में स्थापित करने के लिए संघर्ष कर रही है। दिल्ली की जमीन पर होने वाले किसी भी बड़े आंदोलन (चाहे वह किसानों का हो या छात्रों का) पर AAP अपना दावा ठोकती रही है। जब जंतर-मंतर पर छात्र इकट्ठा हुए, तो AAP को लगा कि वह इस जन-आंदोलन का चेहरा बन सकती है। लेकिन कांग्रेस के अचानक एंट्री मारने और पूरे मीडिया स्पेस को अपनी तरफ खींच लेने से अअढ को लगा कि उसका राजनीतिक मैदान खिसक रहा है। संसद के भीतर भी दोनों दलों की राहें जुदा दिखीं। जहां कांग्रेस पूरे विपक्ष को अपने झंडे तले लाकर एक संयुक्त मोर्चा दिखाना चाहती थी, वहीं AAP सांसद संजय सिंह ने राज्यसभा में नियम 267 के तहत अलग से नोटिस देकर अपनी स्वतंत्र पहचान बनाए रखने की कोशिश की। अरविंद केजरीवाल द्वारा सोशल मीडिया पर री-नीट की मांग को लेकर सीधे प्रधानमंत्री पर हमला करना भी इसी रणनीति का हिस्सा है कि जनता के बीच यह संदेश न जाए कि AAP, कांग्रेस की 'बी-टीम' बनकर रह गई है।

यह टकराव केवल NEET तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आगामी राज्यों के विधानसभा चुनावों (जैसे दिल्ली) की आहट का नतीजा है। दिल्ली में AAP और कांग्रेस के बीच का गठबंधन लोकसभा चुनाव तक ही सीमित था, और दोनों दलों को पता है कि विधानसभा में वे एक-दूसरे के खिलाफ ताल ठोकेंगे। ऐसे में, युवाओं के एक इतने बड़े मुद्दे पर कोई भी दल दूसरे को 'क्रेडिट' की मलाई खाने नहीं देना चाहता।

यह स्थिति देश के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए चिंताजनक है। जब विपक्ष को एक सुर में सरकार से जवाबदेही मांगनी चाहिए थी, जब राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के ढांचे में सुधार के लिए एक ठोस नीतिगत विकल्प पेश करना चाहिए था, तब विपक्ष आपस में ही इस बात पर लड़ रहा है कि 'सड़क पर पहले कौन उतरा' या 'किसने ज्यादा लाठियां खाईं'। इस नूराकुश्ती का सीधा फायदा सत्ता पक्ष को मिलता है, जिसे विपक्ष के इस बिखराव के कारण संसद में तीखे और नीतिगत सवालों से बचने का मौका मिल जाता है।

राजनीति के इस नए खेल में सबसे बड़ा नुकसान देश के उन 24 लाख से अधिक छात्रों का हो रहा है जिन्होंने सालों तक दिन-रात एक करके इस परीक्षा की तैयारी की थी। पेपर लीक, ग्रेस मार्क्स का विवाद, और फिर इस पर होने वाली राजनीति ने छात्रों को मानसिक अवसाद के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। छात्रों को किसी पार्टी के झंडे या किसी नेता के भाषण से सरोकार नहीं है, उन्हें एक पारदर्शी परीक्षा प्रणाली, समय पर परिणाम और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई चाहिए।

जब राजनीतिक दल इन छात्रों के मंच का इस्तेमाल अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता को चमकाने या एक-दूसरे को नीचा दिखाने के लिए करने लगते हैं, तो आंदोलन का मूल उद्देश्य ही भटक जाता है। आज जरूरत इस बात की थी कि संसद में एक कड़ा कानून बनाने पर आम सहमति बनती, परीक्षा प्रणालियों में तकनीकी सुधारों पर बहस होती, और भविष्य में ऐसी गलतियों को रोकने का रोडमैप तैयार किया जाता। इसके विपरीत, हमें अखबारों की सुर्खियां विपक्ष के आपसी कीचड़ उछालने से भरी हुई मिलती हैं।

NEET विवाद पर अअढ और कांग्रेस के बीच शुरू हुआ यह नया खेल भारतीय राजनीति के उस कड़वे यथार्थ को बयां करता है जहां 'जनहित' अक्सर 'दलहित' के पीछे छूट जाता है। यदि विपक्ष को वास्तव में युवाओं की चिंता है, तो उसे अपनी इस श्रेय लेने की होड़ को छोड़कर एक जिम्मेदार भूमिका निभानी होगी। देश की जनता और विशेषकर युवा वर्ग बहुत समझदार है। वह देख रहा है कि कौन वास्तव में उसके हक की लड़ाई लड़ रहा है और कौन इस त्रासदी में अपने लिए चुनावी अवसर तलाश रहा है। साख केवल बड़ी रैलियों या तीखे बयानों से नहीं बनती, बल्कि संकट के समय दिखाई गई परिपक्वता और एकजुटता से बनती है। अगर विपक्ष इस मोर्चे पर विफल रहता है, तो वह न केवल सरकार को घेरने का एक सुनहरा मौका गंवा देगा, बल्कि देश के युवाओं का भरोसा भी हमेशा के लिए खो देगा। समय आ गया है कि इस 'खेल' को बंद किया जाए और शिक्षा प्रणाली के इस गंभीर संकट का समाधान खोजने पर ध्यान केंद्रित किया जाए।

बुजुर्गों का सम्मान देश की स्वस्थ परंपरा बने,सामाजिक संतुलन में बुजुर्गों की महिती भूमिका

संजीव ठाकुर

यह विडंबना है जब मनुष्य अत्यंत अनुभवी परिपक्व,प्रबुद्ध शालीन हो जाता है तब उसके अनुभव कार्य की लगनशीलता और परिपक्व मस्तिष्क का हम सदुपयोग नहीं करते उन्हें अवकाश प्रदान कर देते हैं। यह भी इस सिक्के का दूसरा पहलू है कि इस उम्र में शरीर में थकावट और वृद्धावस्था आ जाती है पर हम उन्हें सम्मान और यथा योग्य महत्व देकर उनके मार्गदर्शन और परामर्श का यथोचित लाभ लेकर अपने जीवन,व्यवसाय अथवा नई नीतियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं, पर अमूमन ऐसा होता नहीं है।

वृद्धावस्था को जीवन का अंतिम पड़ाव एवं समस्याओं से गिरी हुई अवस्था माना जाता है, क्योंकि इस अवस्था में वृद्धों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है ।समय की रफ्तार के साथ समाज में अनेक परिवर्तन होने लगे हैं। नवीन पीढ़ी के लोग पुराने विचारों के लोगों का उनके जीवन में हस्तक्षेप उचित ना समझ कर बर्दाश्त नहीं करते हैं,इसी कारण युवा पीढ़ी बुजुर्गों और वृद्धों के विचारों की गहन उपेक्षा करने लगते हैं और बुजुर्गों को लगता है कि उनकी समाज में उपयोगिता धीरे धीरे कम हो रही है। जीवन का सांध्य काल आने पर मनुष्य कई समस्याओं से घिर जाता है। सबसे बड़ी समस्या शारीरिक क्षमता में कमी आ जाने की है, शरीर की सभी इंद्रियां धीमी पड़ जाती हैं,अनेक प्रकार की व्याधियों से शरीर घिर जाता है और मनुष्य धीरे-धीरे शरीर पर नियंत्रण खोता जाता है। उम्र के वृद्धावस्था के पड़ाव पर अनेक शारीरिक बीमारियों के साथ-साथ मूल समस्या मानसिक व्याधि की होती है। सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों में वेतन भोगी कर्मचारी को एक निर्धारित आयु के बाद सेवानिवृत्त कर दिया जाता है और यह मान लिया जाता है कि वह व्यक्ति अब शारीरिक एवं मानसिक श्रम के योग्य नहीं रहा चाहे वह व्यक्ति स्वस्थ ही क्यों ना हो। इसके बाद उस व्यक्ति के जीवन में अनेक कठिनाई आने लगती हैं। जैसे ही व्यक्ति की आर्थिक उपयोगिता समाज में कम होने लगती है, वह समाज के लिए अनुपयोगी मान लिया जाता है और इस अवस्था में पहुंचने के बाद मानसिक तनाव की स्थिति बनने लगती है। लोगों के संपर्क में न रहना, सहयोगी तथा मित्रों की मृत्यु भी मानसिक तनाव का बड़ा कारण होती है। आत्मविश्वास की धीरे-धीरे कमी होने लगती है, जिससे मानसिक विकृति अकेलापन आदि जैसे रोगों का निर्माण होने लगता है। इस अवस्था में मान सम्मान की कमी की समस्या तो होती ही है, दूसरी तरफ सीमित तथा अल्प धन की उपलब्धता के कारण आर्थिक कष्ट भी वृद्धों को उठाना पड़ता है। इसके साथ ही परिवार तथा समाज की नजरों में व्यक्ति अनुपयोगी, बोझ, फालतू समझा जाने लगता है, जिससे बुजुर्ग व्यक्ति के मन में एक प्रकार की वितृष्णा आने लगती है। और कई बुजुर्ग इस अवहेलना को ना बर्दाश्त कर आत्महत्या तक कर बैठते हैं। जो व्यक्ति कुछ समय पहले तक महत्वपूर्ण था, विशिष्ट था वह अचानक ही बोझ समझा जाने लगता है। उसके मान सम्मान एवं भावनाओं का महत्व बहुत कम हो जाता है। भागदौड़ वाली इस जिंदगी में युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों से एक दूरी बनाना शुरू कर देती है और वह व्यक्ति अकेला ही रह जाता है। जब मनुष्य अपने को एकाकी समझने लगता है तो यह उसके जीवन का सर्वाधिक कठिन समय एवं पल होता है। आत्मविश्वास जनित प्रेरणा की कमी वृद्धावस्था को बोझिल बना देती है। व्यक्ति की स्थिति अत्यंत दयनीय हो जाती है, दूसरों पर निर्भरता बढ़ने लगती है। नई पीढ़ी द्वारा उसे अकेला छोड़ दिया जाता है। यही परिस्थिति वृद्धा अवस्था के लिए एक अभिशाप की तरह होती है।

वृद्धावस्था में मनुष्य के मानसिक तथा शारीरिक कष्ट के प्रमुख कारणों में से संयुक्त परिवार का विघटन भी है। युवा पीढ़ी द्वारा अपने मां-बाप से अलग होकर रहने की चाहत हमारे देश में एक गंभीर समस्या पैदा करती है। वृद्ध व्यक्ति या दंपत्ति को जिस आयु में पुत्र, पुत्रियों की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है, ऐसे समय में पुत्र द्वारा उनकी देखभाल छोड़कर अलग रहने के लिए अलग मकान बनाना या किराए पर रहना, उस दंपत्ति या व्यक्ति को मानसिक रूप से प्रताड़ित भी करती है। भारत देश वही देश है यहां की संस्कृति में परिवार के बुजुर्ग को भगवान के समान माना जाता था, किंतु संयुक्त परिवार प्रणाली के विघटन के कारण आज की नई युवा पीढ़ी ना तो बड़ों के अनुशासन में रहना चाहती है नहीं उन्हें किसी प्रकार का आदर सम्मान देना चाहती है। औद्योगिकरण और विसंस्कृतिकरण प्रणाली के फल स्वरुप युवा पीढ़ी के रहन-सहन एवं जीवन शैली में तीव्र बदलाव देखा जा रहा है। इस युग में व्यक्ति जितना अपने कार्यों में व्यस्त हो गया है कि उसको परिवार के साथ बैठने, रहने की फुर्सत ही नहीं मिल पाती। भारत में बदलते परिवेश में ओल्ड एज होम की अवधारणा तेजी से बल पकड़ती जा रही है। नई पीढ़ी तरह पुरानी पीढ़ी के बीच एक तरह कम्युनिकेशन गैप भी आ जाता है, जो बुजुर्गों के लिए एक बड़ी समस्या होती है। बुजुर्ग दंपत्ति हो या व्यक्ति के पास जब तक धन रहता है तब तक उनके पुत्र, पुत्री उनका ख्याल रखते हैं और जब वह धनहीन हो जाते हैं, तो उन्हें नकार दिया जाता है ।यह एक बड़ी समस्या आज बुजुर्गों के सामने यक्ष प्रश्न बनकर खड़ी है। व्यक्ति को बुजुर्ग अवस्था में जब सबसे ज्यादा धन की आवश्यकता होती है तब उसके पास धन नहीं होता है। यह धन की कमी उपेक्षा का बड़ा कारण भी बनती है। युवा पीढ़ी का व्यक्तिगत स्वार्थ एवं धन के प्रति आकर्षण भी बुजुर्गों के प्रति प्रभाव तथा उपेक्षा का मूल कारण होता है। व्यक्ति का जब सर्वश्रेष्ठ काल होता है तब उपेक्षित और समस्या ग्रस्त होकर अवसाद ग्रस्त हो जाता है। अंग्रेजी के प्रसिद्ध कवि रॉबर्ट ब्राउनिंग वृद्धावस्था के बारे में लिखा है।

मेरे साथ रहो, रुको वृद्ध हो,
अभी जीवन का सर्वोत्तम शेष है।

वृद्ध व्यक्ति भी मानव है, उसे भी संवेदना, सहानुभूति और प्यार की आवश्यकता होती है। नई पीढ़ी को चाहिए कि वृद्धों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें उनकी लगातार सेवा करनी चाहिए, उनके मार्गदर्शन उनका परामर्श परिवार तथा समाज के लिए जल कल्याणकारी होता है। भारतीय संस्कृति के अनुसार उनका आशीर्वाद उनकी शुभकामनाएं लोक मंगलकारी होती हैं यह माना जाता है कि बुजुर्ग का आशीर्वाद ईश्वर के आशीर्वाद जैसा ही होता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में भारतीय मूल का वैश्विक नेतृत्व

- महेन्द्र तिवारी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज मानव इतिहास की सबसे परिवर्तनकारी तकनीकों में गिनी जा रही है। जिस प्रकार औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन प्रणाली को बदला, इंटरनेट ने संचार और सूचना के स्वरूप को परिवर्तित किया, उसी प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता आने वाले दशकों में अर्थव्यवस्था, शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा और सामाजिक जीवन को गहराई से प्रभावित करने वाली है। इसी कारण दुनिया के विकसित देश केवल एआई तकनीक विकसित करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उसके सुरक्षित, जिम्मेदार और नैतिक उपयोग के लिए प्रभावी नीतियां भी बना रहे हैं। ऐसे समय में ब्रिटेन द्वारा भारतीय मूल के कनिष्क नारायण को देश का पहला समर्पित और कैबिनेट स्तर का कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंत्री नियुक्त करना केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाला कदम माना जा रहा है। यह नियुक्ति तकनीकी नेतृत्व, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और भारतीय प्रतिभा की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता का भी महत्वपूर्ण प्रतीक बन गई है।

कनिष्क नारायण का जन्म बिहार के मुजफ्फरपुर में हुआ था। जब वे लगभग बारह वर्ष के थे, तब उनका परिवार ब्रिटेन के वेल्स चला गया। प्रारंभिक जीवन आर्थिक चुनौतियों से भरा रहा, लेकिन शिक्षा के प्रति समर्पण और प्रतिभा के बल पर उन्होंने आगे बढ़ते हुए ईटन कॉलेज, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और बाद में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की। यह यात्रा केवल व्यक्तिगत सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह दशार्ती है कि कठिन परिस्थितियों में भी शिक्षा और अवसर व्यक्ति को वैश्विक नेतृत्व तक पहुंचा सकते हैं।

राजनीति में आने से पहले कनिष्क नारायण ने ब्रिटिश सरकार की सिविल सेवा में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। उन्होंने कैबिनेट ऑफिस तथा पर्यावरण विभाग में नीतिगत कार्य किए और बाद में निजी क्षेत्र में भी रणनीतिक एवं आर्थिक विषयों पर अनुभव प्राप्त किया। इस विविध अनुभव ने उन्हें प्रशासन, सार्वजनिक नीति, तकनीकी परिवर्तन और आर्थिक विकास के बीच संबंधों को गहराई से समझने का अवसर दिया। यही कारण है कि उन्हें केवल एक राजनेता नहीं बल्कि नीति निर्माण और तकनीकी प्रशासन की समझ रखने वाले नेता के रूप में देखा जाता है। साल 2024 के आम चुनाव में उन्होंने वेल ऑफ ग्लैमरगन निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की और वेल्स के पहले जातीय अल्पसंख्यक सांसद बने। इसके बाद उन्हें विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी विभाग में एआई और ऑनलाइन सुरक्षा से संबंधित जिम्मेदारी दी गई। इस दौरान उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑनलाइन सुरक्षा, बौद्धिक संपदा, सेमीकंडक्टर, तकनीकी नवाचार तथा एआई सुरक्षा संस्थान जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कार्य किया। यही अनुभव आगे चलकर उन्हें ब्रिटेन के पहले कैबिनेट स्तर के एआई मंत्री के रूप में स्थापित करने का आधार बना।

ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने सरकार के पुनर्गठन के दौरान एआई को अलग और अधिक महत्व देते हुए इस मंत्रालय को कैबिनेट स्तर का दर्जा दिया। इसके साथ ही कनिष्क नारायण को कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंत्री नियुक्त किया गया। यह निर्णय इस बात का संकेत है कि ब्रिटेन एआई को केवल तकनीकी विषय नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास, सार्वजनिक सेवाओं और वैश्विक प्रतिस्पर्धा से जुड़ा रणनीतिक क्षेत्र मानता है। इस नई व्यवस्था में एआई नीति का समन्वय सीधे सरकार के सर्वोच्च स्तर पर किया जाएगा।

आज पूरी दुनिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। चिकित्सा क्षेत्र में रोगों की शीघ्र पहचान, कृषि में बेहतर उत्पादन, शिक्षा में व्यक्तिगत शिक्षण, उद्योगों में स्वचालन, परिवहन में स्मार्ट सिस्टम और प्रशासन में डिजिटल सेवाओं के विस्तार के कारण एआई विकास का प्रमुख आधार बन चुका है। दूसरी ओर डीपफेक, साइबर अपराध, डेटा गोपनीयता, एल्गोरिद्मिक पक्षपात, गलत सूचना, कॉपीराइट विवाद और रोजगार पर संभावित प्रभाव जैसी चुनौतियां भी सामने हैं। इन परिस्थितियों में केवल तकनीक विकसित करना पर्याप्त नहीं है बल्कि उसके लिए संतुलित कानून और जिम्मेदार नीतियां भी आवश्यक हैं। हाल के अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों में भी नागरिकों ने एआई के विकास के साथ मजबूत सुरक्षा और नियमन को प्राथमिकता देने की आवश्यकता जताई है।

कनिष्क नारायण की नई जिम्मेदारी का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यही है कि वे ऐसी नीतियां तैयार करें जो तकनीकी नवाचार को बाधित किए बिना सुरक्षा और नैतिकता सुनिश्चित करें। उन्हें यह संतुलन बनाना होगा कि उद्योगों को अनुसंधान और निवेश के लिए पर्याप्त स्वतंत्रता मिले, लेकिन नागरिकों की गोपनीयता, डिजिटल अधिकार और सामाजिक हित भी सुरक्षित रहें। यह कार्य सरल नहीं है क्योंकि एआई तकनीक प्रतिदिन बदल रही है और उसके सामने आने वाली चुनौतियां भी लगातार विकसित हो रही हैं।

ब्रिटेन लंबे समय से स्वयं को एआई अनुसंधान और नवाचार का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। वहां विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय, अनुसंधान संस्थान और प्रौद्योगिकी कंपनियां सक्रिय हैं। सरकार चाहती है कि एआई आधारित स्टार्टअप, डेटा सेंटर और उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग सुविधाओं का विस्तार हो, जिससे निवेश और रोजगार दोनों बढ़ें। कनिष्क नारायण की नियुक्ति इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है।

एआई मंत्री के रूप में उन्हें अंतरराष्ट्रीय सहयोग को भी मजबूत करना होगा। आज एआई की चुनौतियां किसी एक देश तक सीमित नहीं हैं। डीपफेक वीडियो, साइबर हमले, सीमा पार डेटा प्रवाह और वैश्विक डिजिटल कंपनियों के संचालन जैसे विषय अंतरराष्ट्रीय समन्वय की मांग करते हैं। इसलिए ब्रिटेन को यूरोप, अमेरिका, भारत तथा अन्य देशों के साथ मिलकर साझा मानक और सहयोग तंत्र विकसित करने होंगे। ऐसे प्रयासों में कनिष्क नारायण की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

उनकी नियुक्ति का भारतीय दृष्टिकोण से भी विशेष महत्व है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय मूल के लोग विश्व के अनेक देशों में राजनीति, उद्योग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के शीर्ष पदों तक पहुंचे हैं। अब भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण तकनीक मानी जा रही कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भी भारतीय मूल के व्यक्ति का नेतृत्व संभालना इस बात का प्रमाण है कि भारतीय प्रतिभा वैश्विक स्तर पर निरंतर अपनी पहचान बना रही है। यह उपलब्धि उन लाखों भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा है जो विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक नीति के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योगदान देना चाहते हैं।

हालांकि इस नियुक्ति के साथ अपेक्षाएं भी बहुत अधिक हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल एआई मंत्रालय बना देने से समस्याओं का समाधान नहीं होगा। सरकार को स्पष्ट नियम, प्रभावी नियामक संस्थाएं, उद्योगों के साथ संवाद, अनुसंधान में निवेश और नागरिकों के हितों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। एआई का विकास तभी सफल माना जाएगा जब उसका लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचे और उसके जोखिमों को न्यूनतम रखा जा सके।

भविष्य में एआई वैश्विक शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करेगा। जिस प्रकार पिछली शताब्दी में औद्योगिक क्षमता और बाद में सूचना प्रौद्योगिकी ने देशों की आर्थिक स्थिति निर्धारित की, उसी प्रकार आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता किसी भी राष्ट्र की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का प्रमुख आधार बनेगी। ऐसे समय में ब्रिटेन द्वारा एआई को कैबिनेट स्तर पर प्राथमिकता देना यह दशार्ता है कि सरकार भविष्य की चुनौतियों और अवसरों को गंभीरता से देख रही है।

कनिष्क नारायण की नियुक्ति केवल एक व्यक्ति की सफलता नहीं बल्कि बदलती वैश्विक राजनीति, तकनीकी नेतृत्व और नीति निर्माण की नई दिशा का प्रतीक है। उनकी शिक्षा, प्रशासनिक अनुभव, तकनीकी समझ और राजनीतिक नेतृत्व उन्हें इस चुनौतीपूर्ण भूमिका के लिए उपयुक्त बनाते हैं। यदि वे नवाचार, सुरक्षा, नैतिकता और आर्थिक विकास के बीच संतुलित नीति तैयार करने में सफल रहते हैं, तो ब्रिटेन वैश्विक एआई शासन में अग्रणी भूमिका निभा सकता है। साथ ही यह नियुक्ति भारतीय मूल के लोगों की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा को भी नई ऊंचाई प्रदान करेगी। आने वाले वर्षों में उनकी कार्यशैली और नीतियां केवल ब्रिटेन ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया की एआई नीति और डिजिटल भविष्य पर प्रभाव डाल सकती हैं।

> **एआई मंत्री के रूप में उन्हें अंतरराष्ट्रीय सहयोग को भी मजबूत करना होगा। आज एआई की चुनौतियां किसी एक देश तक सीमित नहीं हैं। डीपफेक वीडियो, साइबर हमले, सीमा पार डेटा प्रवाह और वैश्विक डिजिटल कंपनियों के संचालन जैसे विषय अंतरराष्ट्रीय समन्वय की मांग करते हैं। इसलिए ब्रिटेन को यूरोप, अमेरिका, भारत तथा अन्य देशों के साथ मिलकर साझा मानक और सहयोग तंत्र विकसित करने होंगे। ऐसे प्रयासों में कनिष्क नारायण की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।**

अब तकनीक करेगी जान बचाने में मददः रिमोट-ऑपरेटेड रोबोटिक वॉटर क्राफ्ट का किया गया सफल परीक्षण

पालघर (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में आपदा प्रबंधन को अधिक सुरक्षित, तेज और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत बुधवार को पालघर जिले में रिमोट-ऑपरेटेड रोबोटिक वॉटर क्राफ्ट का सफल प्रदर्शन किया गया। महाराष्ट्र राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित इस प्रायोगिक प्रदर्शन का उद्देश्य बाढ़ व जल संकट जैसी परिस्थितियों में आधुनिक तकनीक की मदद से बचाव कार्य को अधिक प्रभावी बनाना है।

पहला प्रदर्शन सुबह 11 बजे सूर्य नदी पर स्थित मासवण पुल के समीप आयोजित किया गया। इस दौरान महाराष्ट्र राज्य आपदा प्रबंधन विभाग (DMU-2) के विभाग अधिकारी नितीन मसाले, पालघर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारी, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF), अग्निशमन विभाग, 108 एम्बुलेंस सेवा तथा अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रदर्शन के दौरान तेज बहाव वाले नदी के पानी में रोबोटिक वॉटर क्राफ्ट की कार्यक्षमता का परीक्षण किया गया। इसमें उपकरण की पानी में गति, रिमोट कंट्रोल प्रणाली तथा आपातकालीन बचाव कार्य में उसकी उपयोगिता का प्रदर्शन किया गया। अधिकारियों को यह भी बताया गया कि बाढ़, तेज नदी प्रवाह और अन्य जल संकट की स्थितियों में यह उपकरण किस प्रकार प्रथम प्रतिक्रिया देने वाली टीमों के लिए अत्यंत उपयोगी

> ●अब तकनीक करेगी जान बचाने में मदद
> ●रिमोट-ऑपरेटेड रोबोटिक वॉटर क्राफ्ट का किया गया सफल परीक्षण

साबित होगा। इसके बाद शाम 4 बजे पालघर स्थित गणेश कुंड में दूसरा प्रदर्शन भी आयोजित किया गया। बैटरी से संचालित यह अत्याधुनिक रोबोटिक वॉटर क्राफ्ट बचाव दल को स्वयं जोखिम भरे पानी में उतरे बिना ही संकट में फंसे लोगों तक सुरक्षित पहुंचने में सक्षम बनाता है। रिमोट से नियंत्रित होने के कारण यह उपकरण बचावकर्मियों के जोखिम

को काफी हद तक कम करता है और आपदा के समय त्वरित एवं सुरक्षित राहत कार्य सुनिश्चित करता है। जिला प्रशासन के अनुसार पालघर में हर वर्ष भारी वर्षा के कारण बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न होती है। जिले में अनेक नदियां, खाड़ियां और लंबा समुद्री तट होने के कारण इस प्रकार की आधुनिक तकनीक आपदा पूर्व तैयारी एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया को और अधिक मजबूत बनायेगी। यह उपकरण NDRF, SDRF, अग्निशमन दल तथा स्थानीय आपदा प्रबंधन तंत्र की क्षमता को भी मजबूती प्रदान करेगा।

जिलाधिकारी एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्ष डॉ. इंदू रानी जाखड़ ने कहा कि इस सफल प्रदर्शन के बाद बाढ़ एवं जल संकट की दृष्टि से संवेदनशील पालघर जिले को रिमोट-ऑपरेटेड रोबोटिक वॉटर क्राफ्ट उपलब्ध कराने में प्राथमिकता मिलने की उम्मीद है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस आधुनिक तकनीक के शामिल होने से जिले की आपदा प्रबंधन क्षमता और अधिक सशक्त होगी तथा भविष्य में राहत एवं बचाव कार्य तेज, सुरक्षित व प्रभावी ढंग से किये जा सकेंगे।

भिवंडी तालुका क्षेत्र में अवैध गाउटी शराब कारोबार पर शराबबंदी कार्रवाई की मांग, ठाणे पुलिस आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी तालुका के ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने और इस कारोबार से जुड़े शराब विक्रेताओं, हाथभट्ठी संचालकों, स्थान मालिकों तथा उन्हें संरक्षण देने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर नगरसेवक निलेश चौधरी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में प्रभाग समिति सभापति एडवोकेट वैभव भोईर, पूर्व नगरसेवक हनुमान चौधरी तथा बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। ज्ञापन में कहा गया है कि शिकायतों के बाद पुलिस कार्रवाई तो करती है, लेकिन कुछ समय बाद फिर से भिवंडी तालुका में बड़े पैमाने पर अवैध शराब की बिक्री शुरू हो जाती है। बिना लाइसेंस कुछ लोग भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से यह कारोबार चला रहे हैं, जिससे सरकार को भारी राजस्व का नुकसान हो रहा है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि पुणे की जहरीली शराब घटना के बाद पुलिस और राज्य उत्पाद शुल्क विभाग ने सख्त अभियान चलाया था, लेकिन अब कार्रवाई धीमी पड़ गई है। हाल ही में खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने भिवंडी के एक गोदाम पर छापा मारकर मिथेनॉल का बड़ा भंडार जब्त किया था। वहीं, पुलिस उपायुक्त द्वारा की गई सख्त कार्रवाई से कुछ समय के लिए अवैध शराब और हाथभट्ठियां बंद हुई थीं, लेकिन अब फिर से कुछ स्थानों पर मिथेनॉल मिश्रित जहरीली शराब बनाए और बेचे जाने की आशंका जताई गई है। नगरसेवक निलेश चौधरी ने मांग की कि अवैध शराब विक्रेताओं, हाथभट्ठी संचालकों के साथ-साथ उन्हें संरक्षण देने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी कठोर कार्रवाई की जाए तथा आवश्यक होने पर मकोका जैसी सख्त धाराएं लगाई जाएं, ताकि इस अवैध कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके। इस दौरान पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ उचित और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विदेशी महिला के कब्जे से 4.83 करोड़ की एमडीएमए और कोकीन बरामद

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। तुलिंज पुलिस स्टेशन की एंटी-टेररिज्म सेल एटीसी ने नशीले पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक विदेशी महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 1,010 ग्राम एमडीएमए/एक्स्टसी टैबलेट और 663 ग्राम कोकीन बरामद की है। जब्त नशीले पदार्थों की कुल कीमत करीब 4,83,00,000 बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 21 जुलाई 2026 को वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय जाधव के निर्देश पर तुलिंज पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मी अपने क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों और नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए गश्त कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस हवलदार सचिन कांबले को गुप्त सूचना मिली कि कुछ विदेशी नागरिक नालासोपारा पूर्व के नारायण नगर स्थित वैष्णवी अपार्टमेंट के कमरा नंबर 106 में नशीले पदार्थों की बिक्री कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने वहां छापेमारी कर नाइजीरियाई मूल की 26 वर्षीय ओमोरोगबे मेरिट एनाघेडे को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके कब्जे से–1,010 ग्राम एमडीएमए/एक्स्टसी टैबलेट, कीमत करीब ?1,51,50,000 663 ग्राम कोकीन, कीमत करीब ?3,31,50,000 बरामद की। इस प्रकार कुल 4,83,00,000 कीमत का नशीला पदार्थ जब्त किया गया। इस मामले में तुलिंज पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 526/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट, 1985 की संबंधित धाराओं तथा भारतीय न्याय संहिता, 2023 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार महिला आरोपी को न्यायिक मजिस्ट्रेट वसई के समक्ष पेश किया गया जहां उसे 27 जुलाई 2026 तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि मकान मालिक पर बिना उचित सत्यापन के विदेशी नागरिकों को कमरा किराए पर देने और अपराध में सहायता करने के आरोपों की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने मकान मालिकों को चेतावनी दी है कि बिना पुलिस सत्यापन के विदेशी नागरिकों को मकान या कमरा किराए पर देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मामले की आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक राहुल फड़ कर रहे हैं। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त अशोक विरकर, सहायक पुलिस आयुक्त, तुलिंज विभाग देवेंद्र पोल तथा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय जाधव के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में सहायक पुलिस निरीक्षक धर्मेंद्र पवार, पुलिस उपनिरीक्षक राहुल फड़, पुलिस हवलदार सचिन कांबले, दिगंबर परजाने, राहुल कदम, श्रीधर कांबले, पांडुरंग केंद्र, पुलिस अंमलदार रावसाहेब राजगे, अजीनाथ गिते तथा महिला पुलिस अंमलदार गायत्री उगले ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आयुर्वेदिक कफ सिरपः खांसी से राहत का एक प्राकृतिक उपायः डॉ. सुजाता चौधरी

मुंबई/पटना। बदलते मौसम, बढ़ते प्रदूषण स्तर और मौसमी संक्रमणों के कारण श्वसन संबंधी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में आयुर्वेद विशेषज्ञ खांसी और गले की असुविधा के प्रबंधन के लिए प्राकृतिक उपचारों के महत्व पर जोर दे रहे हैं। आयुर्वेदाचार्यों के अनुसार, डाबर हॉनिटस जैसे हर्बल कफ सिरप न केवल खांसी के लक्षणों को शांत करने में मदद करते हैं, बल्कि संपूर्ण श्वसन स्वास्थ्य को भी समर्थन प्रदान करते हैं। आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. सुजाता चौधरी ने कहा, खांसी शरीर की एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से श्वसन तंत्र से उत्तेजक तत्वों और अतिरिक्त बलगम को बाहर निकाला जाता है। आयुर्वेद केवल लक्षणों से राहत देने पर ही नहीं, बल्कि श्वसन संबंधी असुविधा के मूल कारण बनने वाले असंतुलन को दूर करने पर भी ध्यान देता है। आयुर्वेद में पारंपरिक रूप से उपयोग की जाने वाली औषधीय जड़ी-बूटियां गले की जलन को शांत करने, श्वसन क्रिया को सहयोग देने और बिना किसी कठोर रासायनिक तत्वों पर निर्भर हुए राहत प्रदान करने में सहायक होती हैं। आयुर्वेद में लंबे समय से तुलसी, मुलेठी, बनफ्शा, कंटकारी, सोंठ (सूखी अदरक) और वासा (वसाका) जैसी औषधीय जड़ी-बूटियों का उपयोग किया जाता रहा है। ये जड़ी-बूटियां अपने गले को आराम पहुंचाने वाले, कफ निकालने में सहायक तथा प्रतिरक्षा प्रणाली को समर्थन देने वाले गुणों के लिए जानी जाती हैं। इनका संयुक्त प्रभाव खांसी से राहत देने, गले की खराश को कम करने और श्वास लेने में आसानी प्रदान करने में मदद करता है।

गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग को लेकर पालघर में 27 जुलाई को होगा ज्ञापन प्रदर्शन

पालघर(उत्तरशक्ति)। गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग को लेकर पालघर में सोमवार 27 जुलाई 2026 को साधु-संतों, गौ सेवकों, गौ भक्तों और सनातन समाज के संयुक्त तत्वावधान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इस दौरान जिलाधिकारी, पालघर के माध्यम से राज्यपाल, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जायेगा। आयोजकों के अनुसार ' गौ सम्मान आह्वान ' अभियान का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य देशभर में गौ संरक्षण एवं गौ सम्मान के प्रति जनजागृति फैलाना तथा गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग को मजबूती देना है। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 9 बजे धवले हॉस्पिटल के पास स्थित आई माताजी मंदिर, पालघर से होगी। सुबह 9 बजे से 11 बजे तक भजन-कीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इसके बाद सभी साधु-संत, गौ सेवक, गौ भक्त और सनातन परिवार के सदस्य रैली के रूप में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचेंगे। सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जायेगा, जिसे राज्यपाल, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति महोदया तक भेजने का अनुरोध किया जायेगा। आयोजकों ने पालघर जिले के सभी गौ सेवकों, गौ प्रेमियों, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों तथा सनातन समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस अभियान को सफल बनाने की अपील की है।

शिक्षिका की संपत्ति हड़पने के लिए बेरहमी से हत्या

कल्याण क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों को दबोचा

कल्याण (उत्तरशक्ति)। ठाणे पुलिस आयुक्तालय की कल्याण अपराध शाखा ने एक शिक्षिका की हत्या के सनसनीखेज मामले का पदार्फाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि शिक्षिका की संपत्ति हड़पने के इरादे से पहले उनकी बेरहमी से पिटाई की गई, फिर जबरन संपत्ति के दस्तावेजों पर वारिस के रूप में हस्ताक्षर करवाए गए और बाद में उनका मुंह व नाक दबाकर हत्या कर दी गई।

पुलिस के अनुसार, कोलसेवाड़ी थाना क्षेत्र के चिंचपाड़ा स्थित एक स्कूल में शिक्षिका और एलआईसी एजेंट के रूप में कार्यरत 52 वर्षीय संगीता मालती चंद्रवंशी 24 जुलाई 2026 को एलआईसी के काम से राहाता (जिला अहमदनगर) जाने की बात कहकर घर से निकली थीं। इसके बाद उनका मोबाइल फोन बंद हो गया। परिजनों ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी।

जांच के दौरान 26 जुलाई को नाशिक रोड स्थित मेडिकल कॉलेज के पास सिन्नर शिवार में महिला का शव बरामद हुआ। इस संबंध में वडीवरे पुलिस थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया। कल्याण अपराध शाखा ने तकनीकी विश्लेषण, गुप्त सूचना और अन्य साक्ष्यों के आधार पर दिगंबर भागुजी आखाडे (48) और तुषार मुरलीधर रूपसाखरे (52) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में सामने आया कि दोनों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर शिक्षिका को आसनगांव स्थित एक घर में बुलाया। वहां उनकी संपत्ति हड़पने की साजिश रची गई, जबरन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाए गए और बाद में हत्या कर शव को नाशिक रोड क्षेत्र में फेंक दिया गया। दोनों आरोपियों को आगे की कार्रवाई के लिए वडीवरे पुलिस थाना, जिला नाशिक के हवाले कर दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

चेंबूर में आषाढ़ी एकादशी पर संत कान्होपात्रा अभंगवाणी संगीत संध्या का भव्य आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर शिवगंधार संस्था तथा ना. ग. आचार्य एवं दा. कृ. मराठे महाविद्यालय, चेंबूर के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार, 18 जुलाई 2026 को महाविद्यालय के सभागार में पंडित शिवानंद पाटील को समर्पित विशेष संगीत कार्यक्रम ह्यअभंगवाणी झ्र संत कान्होपात्राह्ण का भव्य आयोजन किया गया।

पिछले 34 वर्षों की अखंड परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष कार्यक्रम का आयोजन 35वें वर्ष के अंतर्गत ह्यपुष्प 38वेंह्ण स्वरूप में किया गया। यह संपूर्ण प्रस्तुति संत कान्होपात्रा के जीवन, कार्य और भक्तिमय साहित्य को समर्पित रही।

कार्यक्रम के लिए प्रा. मीनाताई गोखले, डॉ. मुकुंद कुळे तथा डॉ. सदानंद मोरे का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की संकल्पना, निर्माण, लेखन, प्रस्तुति और गायन की जिम्मेदारी योजना शिवानंद ने निभाई, जबकि संगीत संयोजन पं. केदार पंडित और डॉ. सुनील कट्टी ने किया। अभंग, भक्ति संगीत और संत साहित्य के मनमोहक संगम ने उपस्थित श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

इस अवसर पर भाजपा दक्षिण मध्य मुंबई जिला सचिव एवं समाजसेवी जयप्रकाश अग्रवाल सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों का आयोजकों द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम में चेंबूर एज्युकेशन सोसायटी के विश्वस्त रमेश मापणकर, शैलेश आचार्य, श्री पांडे, प्राचार्य सुनील कदम, आईसी रजिस्ट्रार जितेंद्र निनावे, पूर्व प्राचार्या लेले मैडम, चित्रा आचार्य तथा समाजसेवी राजेंद्र नगराळे सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

रैपिडो बुकिंग के बहाने लूटपाट करने वाले आरोपी गिरफ्तार

काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध प्रकटीकरण शाखा की सराहनीय कार्रवाई

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध प्रकटीकरण शाखा ने रैपिडो ऐप के माध्यम से रिक्शा बुक कराकर लूटपाट करने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नकदी, मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल किया गया धारदार हथियार बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता और गवाह 18 जुलाई 2026 को दोपहर करीब 1:30 बजे रिक्शा लेकर ठाणे की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रैपिडो ऐप के माध्यम से रिक्शा बुकिंग की गई और उन्हें घोड़बंदर रोड, मीरा रोड स्थित वेलकर पेट्रोल पंप के पीछे वाली सड़क पर बुलाया गया। वहां पहुंचने के बाद आरोपियों ने धारदार हथियार दिखाकर शिकायतकर्ता और गवाह को धमकाया तथा उनके साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने उनसे 2,200 नकद, मोबाइल फोन तथा फोन के माध्यम से 2,000 ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए और फरार हो गए। घटना के बाद शिकायतकर्ता का ठाणे सिविल अस्पताल में उपचार कराया गया। इसके बाद 19 जुलाई 2026 को काशीगांव पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं तथा भारतीय हथियार अधिनियम की धारा 4(25) के तहत मामला दर्ज किया गया। मामला दर्ज होते ही काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध प्रकटीकरण शाखा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने तत्काल जांच शुरू की। पुलिस टीम ने तकनीकी जांच और गुप्त सूचना के आधार पर 10 घंटे के भीतर आरोपियों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सलमान नसीम अहमद अंसारी, उम्र 22 वर्ष, निवासी आकृति बिल्डिंग, हाटकेश, मीरा रोड, ठाणे के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2,200 नकद, लकड़ी की मूठ वाला धारदार चाकू तथा सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन बरामद किया है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अपर पुलिस आयुक्त संजय शिंदे, पुलिस उपायुक्त जोन-1 राहुल चव्हाण, सहायक पुलिस आयुक्त, मीरा रोड विभाग गणपत पिंगले तथा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटील के मार्गदर्शन में की गई।

अपराध प्रकटीकरण शाखा के सहायक पुलिस निरीक्षक सुहास कांबले, सहायक फौजदार अनिल शिंदे, पुलिस हवलदार प्रताप पांचुडे, जयप्रकाश जाधव, पुलिस अंमलदार किरण विरकर, नामदेव देवकते, प्रवीण टोबरे, दीपक कुलकर्णी, अर्जुन बोरसे, अभिषेक मडावी और रविंद्र सोनावणे ने इस कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

क्रांतिकारियों के शौर्य से नई पीढ़ी को मिलेगी प्रेरणाः दयाशंकर सिंह

मुंबई(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। राष्ट्रीय कला मंच एवं उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को गंगा बहुउद्देशीय सभागार, बलिया में आयोजित भव्य समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने युवा लेखक पंकज गुप्ता की पुस्तक 'भारत के महान क्रांतिकारी संघर्ष एवं बलिदान (भागझ्र1)' का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने लेखक पंकज गुप्ता के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि कम उम्र में राष्ट्रभक्ति एवं भारत के गौरवशाली इतिहास पर गंभीर अध्ययन कर ऐसी पुस्तक लिखना अत्यंत सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि पुस्तक में देश के महान क्रांतिकारियों के संघर्ष, त्याग और बलिदान को सरल, प्रभावशाली एवं प्रेरणादायी भाषा में प्रस्तुत किया गया है, जिससे नई पीढ़ी अपने इतिहास और राष्ट्रनायकों से जुड़ सकेगी।

दयाशंकर सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के लिए अपने गौरवशाली इतिहास को जानना और स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों को जीवन में अपनाना बेहद आवश्यक है। पंकज गुप्ता की यह कृति युवाओं में राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। उन्होंने लेखक को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर निरंतर लेखन करने का आह्वान किया।

लेखक पंकज गुप्ता ने बताया कि पुस्तक में भारत के अनेक महान क्रांतिकारियों के जीवन, संघर्ष, त्याग और बलिदान को ऐतिहासिक तथ्यों एवं प्रमाणिक स्त्रोतों के आधार पर संकलित किया गया है। इसका उद्देश्य युवाओं को देश के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराना तथा उनमें राष्ट्रसेवा और देशभक्ति की भावना को जागृत करना है। समारोह में साहित्य, शिक्षा, संस्कृति एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

11.55 लाख नकद चोरी करने वाला शातिर आरोपी गिरफ्तार

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड में थार रॉक्स वाहन से 11.55 लाख नकद चोरी करने वाले एक शातिर आरोपी को काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध प्रकटीकरण शाखा ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की रकम में से 11.20 लाख नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 17 जुलाई 2026 को सुबह करीब 4 बजे शिकायतकर्ता और उसका मित्र अपनी थार रॉक्स गाड़ी क्रमांक MH-47-CK-2222 का टायर पंचर ठीक कराने के लिए मीरा रोड पूर्व स्थित बाबा टायर, हाटकेश बस स्टॉप के पास गए थे। पंचर बनवाने के दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने वाहन का दरवाजा खोलकर बीच वाली सीट पर रखे पीले बैग में से 11,55,000 नकद चोरी कर लिए और फरार हो गया ।इस मामले में शिकायतकर्ता की शिकायत पर 18 जुलाई 2026 को दोपहर करीब 3:40 बजे काशीगांव पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की संबंधित धारा के तहत मामला दर्ज किया गया। चोरी की रकम बड़ी होने के कारण वरिष्ठ अधिकारियों ने आरोपी का तत्काल पता लगाने के निर्देश दिए। वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध प्रकटीकरण शाखा के अधिकारी और कर्मचारी तुरंत मीरा रोड, नयानगर तथा नवघर परिसर में जांच के लिए रवाना हुए। पुलिस टीम ने तकनीकी जांच और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसके लिए जाल बिछाया और 25 वर्षीय शोएब मुन्नज्जम खान को नयानगर परिसर से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी बेरोजगार है और नयानगर, मीरा रोड पूर्व में रहता है। उसका मूल निवास उत्तर प्रदेश बताया गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की रकम में से 11,20,000 नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ नयानगर, मीरा रोड तथा नवघर पुलिस स्टेशनों में पहले से कुल 7 मामले दर्ज हैं। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अपर पुलिस आयुक्त संजय शिंदे पुलिस उपायुक्त जोन-1 राहुल चव्हाण, सहायक पुलिस आयुक्त, मीरा रोड गणपत पिंगले तथा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटील के मार्गदर्शन में की गई। अपराध प्रकटीकरण शाखा के सहायक पुलिस निरीक्षक सुहास कांबले, सहायक फौजदार अनिल शिंदे, महिला सहायक फौजदार पवित्रा वाघ, पुलिस हवलदार प्रताप पांचुडे, जयप्रकाश जाधव, पुलिस अंमलदार किरण विरकर, नामदेव देवकत्ते, प्रवीण टोबरे, दीपक कुलकर्णी, अभिषेक माढवी और रविंद्र सोनावणे ने इस कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चेंबूर वासीनाका के निवासी अनेक मूलभूत सुविधाओं से वंचित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश की बहुराष्ट्रीय कंपनियों के समीप स्थित चेंबूर वासीनाका और आस पास की बस्तियों के नागरिकों को लंबे समय से शिक्षा, अस्पताल और अन्य बुनियादी सुविधाओं वंचित होना पड़ रहा है। उसके बाद भी मनपा प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधि यहां की समस्या के प्रति गंभीर नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भारत नगर, गडकरी खदान, प्रयाग नगर, वासीनाका, कस्तूरबा नगर, म्हाडा कॉलोनी,गंवानपाड़ा, सहयाद्रि नगर, माहुल गांव की जनसंख्या दो लाख के ऊपर पहुंच गई है। अधिकांश झोपड़पट्टियों वाले इस इलाके में एक भी जूनियर कालेज नहीं है। जिसके कारण यहाँ के स्कूली बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए चेंबूर, घाटकोपर और नवी मुंबई में जाना पड़ता है। खास बात यह है कि इन झोपड़पट्टियों में मनपा का एक भी स्वास्थ्य चिकित्सा केंद्र न होने से यहां के लोगों को

साढ़े तीन किलोमीटर दूर चेंबूर नाका के मनपा स्वास्थ्य केंद्र में जाना पड़ता है। बरसात के इस मौसम में गंदगी के कारण यहां बरसाती बीमारी भी फैल रही है। स्थानीय निवासी और अखिल भारतीय उत्कर्ष कामगार संगठना के डैसिंग अध्यक्ष ज्ञानोबा राजगुरु ने बताया कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रदूषण से यहां के लोग पहले से ही त्रस्त है। वहीं दूसरी ओर आर. सी. मार्ग पर दिन रात बड़ी गाड़ियों विशेष रूप से टैंकर, ट्रेलर के आवागमन के कारण ट्रैफिक समस्या का भी सामना लोगों को करना पड़ रहा है। बरसात के इस मौसम में सड़कें जगह जगह जर्जर हो गई है। जिसके कारण जगह जगह गड्ढों में पानी भरा हुआ है ।वहीं दूसरी ओर वासीनाका के म्हाडा कॉलोनी में मनपा द्वारा साफ सफाई न किए जाने से यहां गंदगी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। इस कारण यहां आए दिन बीमारियों का प्रकोप फैला रहता है। राजगुरु के अनुसार गडकरी खदान, भारत नगर में आज भी पानी की समस्या गंभीर बना हुई है। जबकि दूसरी तरफ आर. सी. मार्ग पर स्थित अयोध्या नगर से लेकर शंकर देवल तक सड़क की चौड़ाई बढ़ाने की अत्यंत आवश्यकता है लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई भी कार्रवाई नहीं की गई है। जबकि मोनो रेल के नीचे बसी इन बस्तियों के लोग लंबे समय से ट्रैफिक जाम से त्रस्त हैं। यहां तक कि आए दिन सड़क दुर्घटनाएं भी हुआ करती है उसके भी सड़क चौड़ी करने के बारे में किसी को भी फिक्र नहीं है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

अपहरण, दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट का वांछित आरोपी शाहगंज रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार

बिहार का रहने वाला आरोपी पुलिस अभियान के दौरान दबोचा गया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज थाना पुलिस ने अपहरण, दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट के एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई।

पुलिस के अनुसार, थाना शाहगंज में दर्ज मुकदमा संख्या 146/2026 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2), 87, 64(2) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4 के तहत वांछित आरोपी शिवम कुमार सिन्हा पुत्र संजय प्रसाद सिन्हा, निवासी रामसागर तला, थाना विष्णुपथ, जनपद गया (बिहार) को शाहगंज रेलवे स्टेशन के उत्तरी छोर (अयोध्या मार्ग) से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक वीरेंद्र कुमार यादव, उपनिरीक्षक विनोद कुमार, आरक्षी आलोक सिंह तथा महिला आरक्षी रीता चौहान शामिल रहे।

मुबारकपुर पुलिस ने मानसिक रूप से अस्वस्थ युवती से दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार

साक्ष्यों के आधार पर हुई आरोपी की पहचान, भेजा गया न्यायालय

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। मुबारकपुर थाना क्षेत्र में मानसिक रूप से अस्वस्थ 24 वर्षीय युवती के साथ दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, 20 जुलाई 2026 को पीड़िता के परिजनों ने थाना मुबारकपुर में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनकी मानसिक रूप से अस्वस्थ बहन को एक व्यक्ति बहला-फुसलाकर घर के पास स्थित मड़ई में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के शोर मचाने पर परिजन मौके पर पहुंचे।

तहरीर के आधार पर थाना मुबारकपुर में मु0अ0सं0 270/2026 के तहत धारा 64(2)(K) बीएनएस में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। विवेचना के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान देवेन्द्र कुमार पुत्र सुधिराम, निवासी ग्राम भगवानपुर, थाना मुबारकपुर के रूप में हुई।

पुलिस टीम ने निरीक्षक अपराध अखिलेश शुक्ल के नेतृत्व में आरोपी के घर दबिश देकर 21 जुलाई को दोपहर करीब 2:45 बजे उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय भेज दिया गया है।

यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। गिरफ्तारी करने वाली टीम में निरीक्षक अपराध अखिलेश शुक्ल, हेड कांस्टेबल राहुल सिंह यादव और कांस्टेबल कृष्ण कुमार मिश्रा शामिल रहे।

30 वें दीक्षांत समारोह की तैयारियाँ अंतिम चरण में, स्वच्छ एवं भव्य आयोजन पर विशेष जोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों के संबंध में बुधवार को

कुलपति सभागार में कुलपति प्रो. वंदना सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में दीक्षांत समारोह से संबंधित सभी उपसमितियों के संयोजकों एवं सदस्यों ने अपने-अपने कार्यों की प्रगति से कुलपति को अवगत कराया।

समीक्षा के दौरान अधिकांश उपसमितियों ने बताया कि उनके जिम्मे सौंपे गए कार्य अंतिम चरण में हैं तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी तैयारियाँ पूरी कर ली जाएंगी। कुलपति ने सभी समितियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समारोह को गरिमामय, सुव्यवस्थित एवं यादगार बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में विशेष रूप से विश्वविद्यालय परिसर की स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं अनुशासित व्यवस्था पर जोर दिया गया। कुलपति ने सभी विभागाध्यक्षों, अधीक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शैक्षणिक विभागों, छात्र-छात्रा छात्रावासों, प्रशासनिक भवनों तथा परिसर के प्रत्येक हिस्से में व्यापक साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में आने वाले अतिथियों, पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं अभिभावकों पर परिसर की स्वच्छता और सुव्यवस्थित व्यवस्था की सकारात्मक छाप पड़नी चाहिए।

कुलपति ने कहा कि 30वाँ दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों और गौरवशाली परंपरा का महत्वपूर्ण अवसर है। ऐसे में आयोजन की प्रत्येक व्यवस्था गुणवत्ता, अनुशासन और उत्कृष्टता के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से टीम भावना के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध ढंग से तैयारियाँ पूर्ण करने का आह्वान किया।

बैठक में दीक्षांत समारोह की विभिन्न व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर सभी समन्वयक उप समन्वयक उपस्थित रहे।

मसुविवि की दो प्राध्यापिकाओं ने रचा इतिहास, जर्मनी में डिजिटल धार्मिक पर्यटन प्रणाली को मिला पेटेंट

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय (मसुविवि) की दो प्राध्यापिकाओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल कर विश्वविद्यालय और जनपद का गौरव बढ़ाया है। धार्मिक पर्यटन के विकास से जुड़ी एक अत्याधुनिक डिजिटल प्रणाली को जर्मनी के पेटेंट एवं ट्रेडमार्क कार्यालय (डीपीएमए) द्वारा उपयोगिता मॉडल (Utility Model) के रूप में पंजीकृत किया गया है।

इस उपलब्धि में मसुविवि की प्राध्यापिका डॉ. वंदना गिरी और डॉ. अर्पिता मिश्रा सह-अन्वेषक (को-इन्वेंटर्स) के रूप में शामिल हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस सफलता पर दोनों शिक्षिकाओं को बधाई देते हुए इसे शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।

पंजीकृत तकनीक का शीर्षक ₹धार्मिक पर्यटन के विकास हेतु डिजिटल प्रस्तुतीकरण, पूवार्नुमानात्मक विश्लेषण एवं विकास

में तेजी लाने वाली प्रणाली₹ है। यह एआई और आधुनिक डिजिटल तकनीक पर आधारित प्रणाली धार्मिक स्थलों के प्रबंधन, पर्यटकों की आवश्यकताओं के विश्लेषण और पर्यटन विकास की योजनाओं को बेहतर बनाने में सहायक होगी।

इस शोध परियोजना में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के शोधकताओं एवं शिक्षाविदों ने योगदान दिया है। शोध दल में प्रतीक अग्रवाल, प्रणव भार्गव, देवेंद्र कुमार भट्ट, डॉ. सुधीर कुमार द्विवेदी, डॉ. वंदना गिरी, मेधा जायसवाल, डॉ. अर्पिता मिश्रा, पूनम पुरी, जयकिशन पुरोहित और अपर्णा राज शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार इस तकनीक के लिए 23 मार्च 2026 को आवेदन किया गया था, जिसे 3 जुलाई 2026 को जर्मन पेटेंट एवं ट्रेडमार्क कार्यालय ने औपचारिक पंजीकरण प्रदान किया। कुलपति प्रो. संजीव कुमार ने कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है और इससे शोध, नवाचार तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग को नई गति मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह डिजिटल प्रणाली भविष्य में स्मार्ट टूरिज्म और धार्मिक पर्यटन के सतत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

अमरा विद्युत उपकेन्द्र पर लाइनमैनों के लिए सुरक्षा एवं कार्य कुशलता हेतु दिया गया प्रशिक्षण

शून्य दुर्घटना के लक्ष्य के साथ कर्मचारियों को दिए गए सुरक्षा के निर्देश

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा बुधवार को

अमरा विद्युत उपकेन्द्र 33/11 केवी पर कुशल और अकुशल लाइनमैनों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान अधिशाषी अभियंता बरईपुर इंजीनियर अभिषेक कुमार और उपखंड अधिकारी राजेश कुमार यादव ने लाइनमैनों को कार्य के दौरान अपनाई जाने वाली सुरक्षा प्रक्रियाओं की बारीकी से जानकारी दी। प्रशिक्षण में औजार और सुरक्षा उपकरणों जैसे डिस्चार्ज रॉड, सुरक्षा बेल्ट, हेलमेट और दस्तानों के सही उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। लाइनमैनों को तकनीकी रूप से और अधिक दक्ष बनाने के साथ फील्ड में सावधानियां बरतने के तरीके बताए गए। अधिकारियों ने विद्युत आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी तकनीकी कर्मचारियों को पूरी सजगता और सतर्कता से कार्य करने के निर्देश दिए।कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ कर्मचारियों की कार्य क्षमता बढ़ाना रहा।

नई खोजें और आविष्कार विकास की राह को आसान बनाते हैं: मोहम्मद शाहिद नईम

सर सैयद अहमद इंटर कॉलेज में चलित विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन, विद्यार्थियों ने समझे आधुनिक विज्ञान के रहस्य

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज तहसील क्षेत्र के ग्राम सबरहद तालीमाबाद स्थित सर सैयद अहमद इंटर कॉलेज में संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में ₹मानव जीवन में दैनिक उपयोग की मशीनों की भूमिका₹ विषय पर चलित विज्ञान प्रदर्शनी बस के माध्यम से विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

प्रदर्शनी में विज्ञान प्रचारक आशु, सूरज कुमार एवं रमेश कुमार ने विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों के माध्यम से छात्रों को आधुनिक मशीनों की कार्यप्रणाली और उनके दैनिक जीवन में महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मशीनों ने कृषि, उद्योग, परिवहन, निर्माण और संचार जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव लाकर मानव जीवन को अधिक सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाया है।

विज्ञान प्रचारकों ने बताया कि 12 जुलाई से 14 अगस्त तक विभिन्न जिलों के विद्यालयों में चलित विज्ञान प्रदर्शनी बस के माध्यम से कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदर्शनी में करीब 20 वैज्ञानिक मॉडलों के साथ विज्ञान आधारित फिल्मों का प्रदर्शन एवं वैज्ञानिक व्याख्यान भी आयोजित किए गए। छात्रों को सोलर लाइट, स्मार्टफोन, मोटर, कृषि उपकरणों की कार्यप्रणाली, पहियों की गति तथा ट्रेन के पटरियों पर संतुलन जैसे विषयों की रोचक जानकारी दी गई। साथ ही विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने और अंधविश्वास से दूर रहने का संदेश दिया गया।

विद्यालय के प्राचार्य मोहम्मद शाहिद नईम ने कहा कि विज्ञान और नई तकनीकों ने विकास को नई गति दी है। नई खोजें और आविष्कार समाज को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना, नवाचार की भावना और तकनीकी समझ विकसित करने में अत्यंत उपयोगी साबित होते हैं।

कार्यक्रम में विज्ञान शिक्षक मोहम्मद अहसन अंसारी, मोहम्मद हसनैन नियाजी, लालमन कुमार, ताहिरा जैनब, वंदना प्रजापति, बुशरा परवेज, तलअत रिजवी, आनंद सिंह, प्रतिभा सिंह, मिर्जा जरयाब बेग सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

देशभक्ति गीतों और लोकनृत्य से गूंजा पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित दीक्षोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला में बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर देशभक्ति और लोकसंस्कृति के रंग में रंग गया। छात्राओं ने देशभक्ति गीतों और मनमोहक लोकनृत्यों की प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

दीक्षोत्सव कार्यक्रम में छात्राओं ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां, कुलपति ने बढ़ाया उत्साह

सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन संयोजक डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव और सह संयोजक अनू त्यागी के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं की प्रस्तुतियों ने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं और पूरे परिसर में उत्साह, उमंग एवं राष्ट्रभक्ति का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम का अवलोकन करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और उनकी प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने कहा कि संगीत और लोककला केवल मनोरंजन के साधन नहीं हैं, बल्कि ये हमारी सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय चेतना और सामाजिक मूल्यों के महत्वपूर्ण माध्यम हैं। युवा पीढ़ी जब अपनी प्रतिभा के जरिए राष्ट्रप्रेम और भारतीय संस्कृति को मंच पर प्रस्तुत करती है तो शिक्षा का उद्देश्य और अधिक सार्थक होता है।

दीक्षोत्सव के अंतर्गत 'विकसित भारत @2047' विषय पर पोस्टर, काव्य लेखन और लोक नृत्य प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इसके अलावा विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से अपनी पसंद की पुस्तकों का पठन किया और उनके विषय में अपने विचार साझा किए।

पुस्तक पठन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनुराग मिश्र रहे। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. विनोद सिंह सहित विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मानवाधिकार संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की कथित अवैध हिरासत का मामला, निष्पक्ष जांच की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हिंदुस्तान मानवाधिकार संगठन ने थाना लाइन बाजार पुलिस पर अपने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी ज्ञान कुमार के साथ कथित रूप से अवैध हिरासत और अभिलेखों में अनियमितता करने का आरोप लगाया है। संगठन ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

संगठन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 16 जुलाई 2026 को 66 वर्षीय ज्ञान कुमार को एक पारिवारिक भूमि विवाद में पूछताछ के लिए थाना लाइन बाजार बुलाया गया था। आरोप है कि उन्हें थाने में अपमानजनक तरीके से लॉकअप में रखा गया। विज्ञप्ति में यह भी दावा किया गया है कि पुलिस ने सरकारी अभिलेखों में गिरफ्तारी का समय, स्थान और आयु गलत दर्ज की तथा अन्य अनियमितताएं कीं।

ज्ञान कुमार ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक, जिलाधिकारी जौनपुर, उत्तर प्रदेश मानवाधिकार आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को शिकायत भेजी है। वहीं, संगठन के राष्ट्रीय महासचिव वकार हुसैन ने भी वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। प्रेस विज्ञप्ति में सर्वोच्च न्यायालय के परमवीर सिंह सैनी बनाम बलबीर सिंह मामले में दिए गए सीसीटीवी संबंधी निर्देशों का उल्लेख करते हुए थाने की सीसीटीवी फुटेज की जांच कराने की मांग भी की गई है। संगठन का कहना है कि घटना की जानकारी राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तथा भारत के मुख्य न्यायाधीश को भी भेजी गई है।

भूजल संरक्षण की शपथ लेकर पुलिसकर्मियों ने दिया जल बचाने का संदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भूजल सप्ताह के अंतर्गत चलाए जा रहे सात दिवसीय जल संरक्षण एवं जन-जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को पुलिस लाइन जौनपुर में जल संरक्षण शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस लाइन स्थित क्वार्टर गार्ड पर सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी लाइन्स गोल्डी गुप्ता ने अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को जल संरक्षण, भूजल संवर्धन, जल के विवेकपूर्ण उपयोग तथा जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने जल संरक्षण के प्रति स्वयं जागरूक रहने के साथ-साथ आमजन को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रतिसार निरीक्षक सहित पुलिस लाइन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे। पुलिस विभाग ने इस अभियान के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति सामाजिक जागरूकता बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संदेश दिया।

सर्पदंश से 12 वर्षीय मयंक की मौत, जागरूकता और समय पर इलाज से बच सकती थी जान

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। सिंधोरा थाना क्षेत्र के सिंधौरा गांव में सर्पदंश की घटना में 12 वर्षीय मासूम मयंक मौर्य की मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना से गांव में शोक का माहौल है। घटना पर सर्वेश वन्य जीव संरक्षण संस्थान के अध्यक्ष सर्वेश कुमार ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए लोगों से सर्पदंश की स्थिति में जागरूक रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सांप काटने के बाद झाड़-फूंक या घरेलू उपायों में समय बर्बाद करने के बजाय पीड़ित को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाना चाहिए, ताकि समय पर उपचार मिल सके। उन्होंने बताया कि साफ-सफाई रखने, घर के आसपास झाड़ियों की नियमित सफाई करने और सांपों से बचाव के उपाय अपनाने से ऐसी घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। उन्होंने लोगों से सर्पदंश के मामलों में सही प्राथमिक उपचार और चिकित्सकीय सहायता को प्राथमिकता देने की अपील की। सर्वेश कुमार ने कहा कि जागरूकता और समय पर इलाज से सर्पदंश से होने वाली कई मौतों को रोका जा सकता है।

क्लीनिक से लौट रहे डॉक्टर से तमंचे के बल पर लूट

45 हजार नकद समेत मोबाइल-बैग भी साथ में लूट ले गए बदमाश

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के बड़ागांव थाना क्षेत्र में अपराधियों के हौसले एक बार फिर बुलंद दिखाई दिए। मंगलवार देर रात चिउरापुर के पास क्लीनिक से घर लौट रहे अहरक गांव निवासी डॉक्टर से तीन बाइक सवार बदमाशों ने तमंचे के बल पर लूट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने असलहे के बलपुर व गालीगुप्ता देकर डॉक्टर से 45 हजार रुपये नकद, मोबाइल, बाइक की चाबी और जरूरी दस्तावेजों से भरा बैग लूट लिया।

बड़ागांव में बेखौफ बदमाशों का लगातार आतंक, हथीवार नहर के पास वारदातः पीड़ित डॉ. अखिलेश कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि रोज की भांति वह रात करीब 11 बजे अपना क्लीनिक बंद कर घर लौट रहे थे। जैसे ही वह हथीवार नहर के पास पहुंचे, एक बाइक पर सवार मुंह बांधे तीन युवकों ने उन्हें रोक लिया। बदमाशों ने तमंचा सटाकर जान से मारने की धमकी दी और विरोध करने पर डॉक्टर को गाली गुप्ता देने लगे।

गालीगुप्ता देने के बाद डॉक्टर की बाइक की चाबी भी अपने साथ ले गए बदमाश, बाइक मौके पर छोड़कर फरारः बदमाश डॉक्टर की जेब से करीब 45 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन और बाइक की चाबी छीन ले गए। इसके अलावा दवाइयों से भरा बैग भी लूट लिया, जिसमें एटीएम कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, बाइक के कागजात और अन्य जरूरी दस्तावेज रखे थे। हालांकि बदमाश बाइक की चाबी ले गए, लेकिन बाइक को घटनास्थल पर ही छोड़कर फरार हो गए।

क्षेत्र में दहशतः डॉ. अखिलेश ने बताया कि मोबाइल भी बदमाश अपने साथ लूट ले गए थे, इसलिए वह रात में तत्काल पुलिस को सूचना नहीं दे सके।

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए केराकत पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 13 लोगों का चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से केराकत थाना पुलिस ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 13 लोगों को हिरासत में लेकर उनका चालान कर न्यायालय भेज दिया। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान एवं ऑपरेशन वज्रपात के तहत की गई। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के विभिन्न विवादों में शामिल व्यक्तियों द्वारा अमादा फौजदारी होने तथा संज्ञेय अपराध की संभावना को देखते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 13 अभियुक्तों एवं अभियुक्ताओं को धारा 170 बीएनएसएस के तहत हिरासत में लिया गया। इसके बाद सभी के विरुद्ध धारा 170/126/135 बीएनएसएस के अंतर्गत चालान कर माननीय न्यायालय भेज दिया गया। यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में की गई। अभियान में उपनिरीक्षक बब्बन सिंह, हेड कांस्टेबल संजय कुमार यादव, कांस्टेबल शिवेश सिंह, महिला कांस्टेबल प्रेमलता गौतम एवं महिला कांस्टेबल खुश्बू मौर्या सहित पुलिस टीम शामिल रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

मसुविवि में 23-24 जुलाई को स्पॉट काउंसिलिंग, यूजी-पीजी प्रवेश का अंतिम मौका

रिक्त सीटों पर मेरिट और पात्रता के आधार पर मिलेगा प्रवेश

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय (मसुविवि) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न स्नातक (यूजी) एवं परास्नातक (पीजी) पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए 23 और 24 जुलाई को स्पॉट काउंसिलिंग आयोजित करने का निर्णय लिया है। कुलपति प्रो. संजीव कुमार के निर्देश पर आयोजित इस काउंसिलिंग में पात्र अभ्यर्थियों को प्रवेश का अंतिम अवसर मिलेगा।

विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रवेश सिंह ने बताया कि स्पॉट काउंसिलिंग संबंधित विभागों में प्रतिदिन पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 2 बजे तक आयोजित की जाएगी। इसमें वही अभ्यर्थी शामिल हो सकेंगे, जिन्होंने 8 जुलाई से 20 जुलाई 2026 के बीच प्रवेश के लिए आवेदन किया है।

उन्होंने बताया कि रिक्त सीटों पर प्रवेश अभ्यर्थियों की मेरिट और निर्धारित पात्रता के आधार पर दिया जाएगा। काउंसिलिंग में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को अपने सभी मूल शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, अंकपत्र, प्रवेश आवेदन पत्र की प्रति, नवीनतम पासपोर्ट आकार के फोटो और वैध पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी। अभ्यर्थियों को प्रवेश शुल्क का भुगतान तत्काल नकद अथवा ऑनलाइन माध्यम से करना होगा। कुलसचिव ने सभी विभागाध्यक्षों और प्रवेश प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि स्पॉट काउंसिलिंग प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और समयबद्ध तरीके से संपन्न कराई जाए। साथ ही विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों को 30 जुलाई तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय पर उपस्थित न होने वाले अभ्यर्थियों की रिक्त सीटों पर मौजूद पात्र अभ्यर्थियों को मेरिट के आधार पर प्रवेश दे दिया जाएगा। वहीं, जिन विषयों की प्रवेश परीक्षा 21 जुलाई को आयोजित हुई है, उन विषयों में परिणाम घोषित होने के बाद प्रवेश प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

इंदौर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के घर प्रदर्शन करने पहुंचे छात्र, दो गिरफ्तार

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर इंदौर में छात्रों का प्रदर्शन जारी है। भंवरकुआं चौराहे पर युवाओं का विरोध तेज हो गया है। प्रदर्शनकारी हाथों में पोस्टर, बैनर और तख्तियां लेकर पेपर लीक मामले में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं बुधवार सुबह मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के घर कुछ छात्र विरोध प्रदर्शन करने पहुंच गए। इनमें से दो छात्रों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं कुछ छात्र मध्य प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के घर पहुंच गए। इनका कहना था कि मंत्री विजयवर्गीय द्वारा छात्रों को कीड़ा कहा गया है, जिसके विरोध में छात्र यहां धरना देने पहुंचे थे। यहां प्रदर्शन करने पहुंचे छात्रों में से दो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक भंवरकुआं चौराहे पर चल रहा धरना बिना अनुमति के किया जा रहा है। साथ भी बताया गया कि प्रदर्शन में शामिल होने वाले लागों की वीडियोग्राफी कराई जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के मुद्दों पर हुई सार्थक चर्चा

मुंबई । बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) मुख्यालय में सार्वजनिक आरोग्य समिति के अध्यक्ष एवं वार्ड क्रमांक 164 के नगरसेवक हरीश भांदिर्गे से शिष्टाचार भेंट की गई। इस अवसर पर मुंबई की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं जनहितकारी बनाने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। बैठक में विशेष रूप से मरीजों की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डायलिसिस मशीनों की उपलब्धता बढ़ाने, स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार तथा आम नागरिकों को बेहतर एवं सुलभ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने जैसे मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। नगरसेवक हरीश भांदिर्गे ने जनहित से जुड़े सभी स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर सकारात्मक सहयोग का आश्वासन देते हुए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के अपने संकल्प को दोहराया। समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) की उपस्थिति में हुई यह मुलाकात जनसेवा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

साझेदारी व्यापार के विवाद में युवक से मारपीट, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के लखनपुर गांव में साझेदारी व्यापार को लेकर हुए विवाद में एक युवक के साथ मारपीट और गाली-गलौज का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लखनपुर निवासी मो. तौहीद ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि उनके चचेरे भाई आफताब आलम के कहने पर उन्होंने साझेदारी में व्यापार करने के लिए ह्यजनता इंटरप्राइजेजह्व नाम से फर्म शुरू की थी। व्यापारिक लेन-देन के लिए एसबीआई शाखा जौनपुर में करेंट और सेविंग खाता भी खोला गया था। आरोप है कि व्यापार के दौरान आफताब ने कुछ हस्ताक्षर किए हुए चेक अपने पास रख लिए थे। बाद में पारिवारिक विवाद और मुकदमेबाजी के चलते दोनों के बीच व्यापारिक साझेदारी खत्म हो गई, जिसके बाद रंजिश बढ़ गई। पीड़ित का आरोप है कि 21 जुलाई की सुबह वह अपने हस्ताक्षर किए हुए चेक वापस लेने आफताब के घर पहुंचे थे, जहां उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई। शिकायत मिलने के बाद लाइन बाजार पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा नेता नवनीत दुबे का जन्मदिन मना

वसई। समाजसेवी एवं भाजपा नेता नवनीत दुबे का जन्मदिन वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के कार्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने नवनीत दुबे को केक खिलाकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। कार्यक्रम में नवीन दुबे, मयंक दुबे सहित परिवार के सदस्यों ने भी जन्मदिन समारोह में भाग लिया। बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने उपस्थित होकर नवनीत दुबे को जन्मदिन की बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर वसई-विरार महानगरपालिका के वार्ड क्रमांक 23 की नगरसेविका निम्मी दोशी, अर्पणा पाटिल, समाजसेवी निपुण दोशी, मयंक सेठ, मार्कण्डे पांडे सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे और नवनीत दुबे को शुभकामनाएं दीं। वहीं उत्तर शक्ति न्यूज़ के रिपोर्टर नरेंद्र सोनी ने भी नवनीत दुबे को जन्मदिन की हार्दिक बधाई देते हुए उनके स्वस्थ, सफल एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की। समारोह का वातावरण आत्मीयता और उत्साह से भरपूर रहा।

जौनपुर में बिजली पोलों से हटाया गया तारों का जाल, हादसों के खतरे को कम करने के लिए विद्युत विभाग का अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के व्यस्त बाजारों में बिजली के पोलों पर लटक रहे पुराने और अनुपयोगी तारों को हटाने के लिए विद्युत विभाग ने विशेष अभियान चलाया। वर्षों से फैले तारों के मकड़जाल को हटाने से बाजारों की व्यवस्था बेहतर हुई है और बारिश के मौसम में करंट उतरने जैसी घटनाओं की आशंका भी कम हुई है।

अवर अभियंता नीरज कुमार के नेतृत्व में विद्युत विभाग की टीम ने ट्रैक्टर माउंटेड लिफ्ट और सीढ़ियों की सहायता से पोलों पर चढ़कर बंद पड़ी केबल, कटे-फटे तार और अनुपयोगी इंटरनेट लाइनों को हटाया। कर्मचारियों ने बिजली के पोलों को व्यवस्थित करते हुए क्षेत्र को साफ-सुथरा बनाया। विद्युत विभाग के अधिकारियों के अनुसार विभिन्न इंटरनेट सेवा प्रदाताओं और अन्य एजेंसियों की पुरानी केबलें लंबे समय से पोलों पर लटक रही थीं, जिससे शहर की सुंदरता प्रभावित होने के साथ ही बारिश में हादसे का खतरा बना रहता था। विभाग की इस कार्रवाई से व्यापारियों और राहगीरों ने राहत महसूस की और इसे जनहित में उठाया गया सराहनीय कदम बताया। विद्युत विभाग ने बताया कि शहर के अन्य इलाकों में भी जल्द ही अभियान चलाकर पोलों पर लटके अनुपयोगी तारों को हटाया जाएगा।

डीएम सैमुअल पॉल एन. ने स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की, आयुष्मान कार्ड और बेहतर चिकित्सा व्यवस्था पर दिया जोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं और जनपद में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने आयुष्मान भारत योजना की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी पात्र लाभार्थियों का शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र व्यक्ति को योजना के लाभ से वंचित नहीं होना चाहिए। आयुष्मान कार्ड निर्माण में लापरवाही मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी। बैठक में आशा कार्यकर्ताओं के लंबित भुगतान की समीक्षा करते हुए, डीएम ने सभी देयकों का समय से भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जिलाधिकारी ने सभी एम्बुलेंसों पर उपलब्ध सुविधाओं का विवरण प्रदर्शित करने, शिकायत नंबर अंकित करने और एम्बुलेंस को साफ-सुथरा रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सरकारी अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों की सुविधा के लिए पर्याप्त स्ट्रेचर उपलब्ध कराने को कहा। डीएम ने प्लेटलेट्स और आवश्यक जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि डेंगू सहित अन्य आपात परिस्थितियों को देखते हुए पर्याप्त स्टॉक हमेशा उपलब्ध रहे। उन्होंने सभी चिकित्सा अधीक्षकों को निर्देश दिया कि बिना वैध पंजीकरण के कोई भी अस्पताल संचालित न होने पाए। सर्पदंश की घटनाओं को देखते हुए जिलाधिकारी ने व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आशा और एएनएम गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करें कि सांप काटने की स्थिति में झाड़-फूंक के बजाय तुरंत सरकारी अस्पताल पहुंचें, जहां निशुल्क उपचार उपलब्ध है। बैठक में मौसमी और संचारी रोगों की रोकथाम पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने नियमित फॉगिंग, एंटी लार्वा छिड़काव, साफ-सफाई और जलभराव की समस्या दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों के माध्यम से बच्चों को स्वच्छता और रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करने को कहा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारीगण, चिकित्सा अधीक्षक एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

खेतों में झटका मशीन हटाएं किसान, नहीं तो होगी सख्त कार्रवाई: डीएम सैमुअल पॉल एन.

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में खेतों की सुरक्षा के लिए लगाए जा रहे अवैध झटका (करंट) मशीनों से हो रही दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे अपने खेतों में लगी झटका मशीनों को तत्काल हटा दें, अन्यथा उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि खेतों में लगाए गए करंट वाले तारों और झटका मशीनों की वजह से आए दिन छुट्टा पशु, पक्षी तथा कई बार राहगीर भी हादसों का शिकार हो रहे हैं। इस संबंध में लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने राजस्व, बिजली, कृषि एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। यह टीम गांव-गांव जाकर खेतों का निरीक्षण करेगी और जहां भी झटका मशीन लगी मिलेगी, उसे हटवाने के साथ संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करेगी।

जिलाधिकारी ने किसानों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि फसलों की सुरक्षा के लिए ऐसे खतरनाक और अवैध तरीकों का प्रयोग न करें। इससे किसी भी व्यक्ति या पशु की जान जा सकती है। उन्होंने सभी किसानों से जनहित में झटका मशीन हटाकर सुरक्षित एवं वैधानिक उपाय अपनाने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिवस पर भाजपा महिला मोर्चा ने आयोजित किया भव्य रक्तदान शिविर

वसई-विरार। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिवस के अवसर पर भाजपा वसई पूर्व दक्षिण मंडल महिला मोर्चा द्वारा बुधवार, 22 जुलाई 2026 को छत्रपति शिवाजी महाराज चौक, जुचंद्र, नैगांव पूर्व स्थित भाजपा महिला मोर्चा कार्यालय में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। 'रक्तदान सेवा यज्ञ' के अंतर्गत आयोजित इस सामाजिक सेवा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मानवता की सेवा का प्रेरणादायी संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि ॰रक्तदान सबसे श्रेष्ठ दान है। यह किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का माध्यम है और मानवता की सच्ची सेवा है। इस अवसर पर भाजपा वसई-विरार शहर के जिला सचिव प्रवीण गावड़े, वसई पूर्व दक्षिण मंडल के महासचिव धारेंद्र कुलकर्णी, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती हर्षाला प्रवीण गावड़े, हरिहर पाटिल, जीत सिंह, श्रीमती स्नेहा रामगड़े, पवन चौधरी, श्रीमती मयूरिका पांचाल तथा श्रीमती मेघना पाटिल सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता, रक्तदाता, नागरिक एवं अधिकारी उपस्थित रहे। आयोजकों ने रक्तदाताओं, सहयोगी संस्थाओं एवं सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के प्रति सेवा, समर्पण और रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान देना ही इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। रक्तदान शिविर में लोगों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई और सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

तिरंगे के सम्मान और संविधान के आदर्शों पर दिया जोर

सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। भारतीय विधिक सहायता एसोसिएशन की महत्वपूर्ण संगोष्ठी बुधवार को अधिवक्ता भवन, तहसील परिसर रॉबर्ट्सगंज में आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव ने की। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप जायसवाल ने कहा कि भारतीय तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश के गौरव, स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों और करोड़ों भारतीयों की भावनाओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह राष्ट्रध्वज का सम्मान करते हुए राष्ट्रहित और संविधान के आदर्शों के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखे।

राष्ट्रीय संयोजक पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने कहा कि राष्ट्रीय तिरंगा हमें एकता, भाईचारे और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देता है। उन्होंने युवा पीढ़ी को संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रध्वज के सम्मान के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया।

संगोष्ठी में उपस्थित अधिवक्ताओं और सदस्यों ने राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान एवं संविधान के मूल आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता राजकुमार पटेल ने किया। इस अवसर पर विमल प्रसाद सिंह, रियाज खान, सुरेश सिंह कुशवाहा, कामता प्रसाद यादव, टीटू प्रसाद गुप्ता, आदर्श देव पांडेय, शाहनवाज आलम खान, दशरथ यादव, संतोष चतुर्वेदी, अजित कश्यप, राहुल जैन, धीरेंद्र पटेल सहित कई अधिवक्ता एवं सदस्य मौजूद रहे।

न्यू इंग्लिश स्कूल के विकास को लेकर विधायक स्नेहा दुबे पंडित का गुडविल विज़िट

वसई। वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने अपने पुराने शिक्षण संस्थान न्यू इंग्लिश स्कूल का गुडविल विज़िट किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल की प्राचार्या वाज मैडमए बर्वे एजुकेशन ट्रस्ट के ट्रस्टी प्रसाद वायगनकर तथा शिक्षक धोने सर के साथ विद्यालय के समग्र विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की। बैठक में विद्यार्थियों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अत्याधुनिक विज्ञान प्रयोगशाला ;स्टेट.ऑफ.द.आर्ट साइंस लैबद्धए एआई एवं रोबोटिक्स लैब की स्थापना तथा स्कूल के विभिन्न बुनियादी ढांचे के नवीनीकरण सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक विचार.विमर्श हुआ।

इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि न्यू इंग्लिश स्कूल उनका अपना विद्यालय हैए इसलिए इस संस्थान से उनका भावनात्मक जुड़ाव है। उन्होंने कहा कि एक जनप्रतिनिधि के रूप में यहां अध्ययनरत हजारों विद्यार्थियों के प्रति उनकी विशेष जिम्मेदारी है और विद्यालय के समग्र विकास के लिए हर संभव सहयोग भविष्य में भी जारी रहेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आज हुई सकारात्मक चर्चा के ठोस परिणाम शीघ्र ही सामने आएंगे और विद्यालय को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे।

कार्यक्रम के अंत में विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने वाज मैडम एवं विद्यालय के सभी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके शिक्षकों का मार्गदर्शन और आशीर्वाद आज भी उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है।

संत शिरोमणि गोरा कुंभार जयंती पर श्रद्धापूर्वक मनाई गई जयंती, समाज को दिया सेवा और समरसता का संदेश

नवीं मुंबई (उत्तरशक्ति)। संत शिरोमणि गोरा कुंभार जयंती के पावन अवसर पर प्रजापति समाज सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बताए आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रजापति समाज विकास मंडल (रजि.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र प्रताप प्रजापति ने सभी देशवासियों को जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि गोरा कुंभार भारतीय संत परंपरा के महान संत, कर्मयोगी एवं वारकरी संप्रदाय के प्रमुख संतों में से एक थे। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से सच्ची भक्ति, ईमानदार श्रम, विनम्रता, सेवा, समर्पण और मानवता का संदेश दिया। मिट्टी के बर्तन बनाने जैसे साधारण कार्य को भी उन्होंने ईश्वर की आराधना का माध्यम बनाया और समाज को कर्म को ही पूजा मानने की प्रेरणा दी।

चंद्र प्रताप प्रजापति ने कहा कि संत गोरा कुंभार के अभंग और उपदेश आज भी समाज में समानता, प्रेम, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना का संचार करते हैं। उनके आदर्श वर्तमान समय में भी उतने ही प्रासंगिक हैं और समाज को एकता एवं सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने संत शिरोमणि गोरा कुंभार जी को शत-शत नमन करते हुए सभी नागरिकों से उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया तथा देशवासियों को जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

राहुल गांधी के समर्थन में युवा कांग्रेस का प्रदर्शन, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर कार्यकर्ता गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर महानगर युवा कांग्रेस ने बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व महानगर अध्यक्ष चंचल शर्मा ने किया।

युवा कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में संविधान लेकर लोकतंत्र, छात्रों और युवाओं के अधिकारों की रक्षा के समर्थन में नारे लगाते हुए निर्धारित स्थल की ओर बढ़ रहे थे। कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार की निंदा करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की। प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर पहले से भारी पुलिस बल तैनात था। जैसे ही कार्यकर्ता आगे बढ़े, पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद पुलिस ने महानगर अध्यक्ष चंचल शर्मा सहित कई युवा कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान कार्यकर्ता संविधान बचाने, लोकतंत्र की रक्षा और युवाओं के अधिकारों के समर्थन में नारे लगाते रहे।

महानगर अध्यक्ष चंचल शर्मा ने कहा कि शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक विरोध को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पुलिस प्रशासन का इस्तेमाल कर विपक्ष की आवाज को दबाना चाहती है। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

उन्होंने कहा कि छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर जवाबदेही तय होने तक आंदोलन जारी रहेगा। युवा कांग्रेस ने कहा कि गिरफ्तारियों से कार्यकर्ताओं का मनोबल कमजोर नहीं होगा और संगठन लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाता रहेगा। प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार होने वालों में महानगर अध्यक्ष चंचल शर्मा, प्रदेश महासचिव अनुपम राय, प्रदेश सचिव सिद्धार्थ केशरी, मित्तल साहनी, मदन कन्नौजिया, अनुराग मिश्रा, आदित्य मिश्रा, आशु शर्मा, रोहित यादव और बच्चा गौड़ सहित कई कार्यकर्ता शामिल रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में दो आरोपी दोषी करार, मुख्य अभियुक्त को 10 साल की सजा

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। 17 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सोनभद्र की अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए दो आरोपियों को दोषसिद्ध कर दिया। न्यायालय ने मुख्य आरोपी को 10 वर्ष के कठोर कारावास और 50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। रॉबर्ट्सगंज स्थित विशेष न्यायालय के पीठासीन अधिकारी ओमकार शुक्ला ने विशेष सत्र परीक्षण संख्या 71/2019 (राज्य बनाम दिनेश कुमार एवं अन्य) में फैसला सुनाया। अभियोजन के अनुसार 25 जुलाई 2019 को अभियुक्त दिनेश कुमार ने अपने सह-आरोपी सूर्य नारायण के साथ मिलकर नाबालिग पीड़िता को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। आरोप था कि दिनेश कुमार ने पीड़िता को अपने कब्जे में रखकर उसके साथ दुष्कर्म किया। मामले की जानकारी होने पर पीड़िता की मां ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस जांच के दौरान पीड़िता का चिकित्सीय परीक्षण, न्यायिक बयान और विद्यालयीय अभिलेखों के आधार पर उसके नाबालिग होने की पुष्टि की गई। इसके बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने पीड़िता, उसकी मां, चिकित्सक, विवेचक, एफआईआर लेखक और विद्यालय की प्रधानाध्यापिका समेत अन्य गवाहों के बयान और दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए। न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दोनों अभियुक्तों को दोषी पाया। अदालत ने मुख्य आरोपी दिनेश कुमार को आईपीसी की धारा 363, 366, 376 और पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4 के तहत दोषी ठहराते हुए धारा 376 में 10 वर्ष का कठोर कारावास, जबकि अन्य धाराओं में भी कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। सह-आरोपी सूर्य नारायण को आईपीसी की धारा 363 के तहत दोषी पाते हुए 5 वर्ष के कारावास और 10 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया। न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि अर्थदंड की राशि नियमानुसार पीड़िता के उपचार, मानसिक पुनर्वास और अन्य सहायता के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। मामले में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक दिनेश प्रसाद अग्रहरी और नीरज कुमार सिंह ने प्रभावी पैरवी की। अभियोजन की दलीलों और साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध सजा का आदेश पारित किया।

शीतला माता मंदिर का हुआ जीर्णोद्धार,श्रद्धा के साथ हुई मूर्ति की स्थापना

चिराना। ग्राम पंचायत के मोक्षधाम के पास शीतला ढुंगरी पर स्थित सदियों पुराने प्राचीन शीतला माता मंदिर का भव्य जीर्णोद्धार कराया गया है। बुधवार को पंडित मनोज शर्मा के पाण्डित्य में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भड़ ल्या नवमी के शुभ मुहर्त में माता शीतला की नवीन मूर्ति की विधि-विधान से स्थापना की गई और विशेष पूजा-अर्चना के बाद सभी के साथ आरती बोली गई। इस धार्मिक आयोजन से पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

ग्रामीणों के अनुसार माने तो,यह मंदिर पहले अपने चमत्कारों के लिए दूर-दूर तक प्रसिद्ध था और वर्षों पहले यहाँ नियमित रूप से पूजा-अर्चना होती थी। करीब दो सौ साल पहले यह मंदिर पूरी तरह खंडहर में तब्दील हो गया था और चारों ओर विलायती बबूल (झाड़ियों) के उग आने से मंदिर के रास्ते पूरी तरह बंद हो गए थे,जिसके चलते ग्रामीणों का यहां पर आना-जाना मानो बंद सा ही हो गया था। इस संदर्भ में बात की तो चिराना निवासी छगन लाल बारी ने बताया कि माता रानी ने मुझे सपने में आकर इस प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार की प्रेरणा दी/बात कही थी। इसके बाद उन्होंने इस पुनीत कार्य को पूरा करने का बीड़ा उठाया ओर अपने बेटे अनिल से बारी ने बात की तो सबसे पहले

छगन लाल बारी ने मंदिर के मुख्य रास्ते को जेसीबी की सहायता से सुगम बनवाया और कांटेदार जंगल साम्राज्य को हटाया और क्षतिग्रस्त भवन की मरम्मत करवाई। तो दूसरी तरफ अनिल बारी ने बताया कि मंदिर परिसर में साफ-सफाई होने के बाद अब यहां श्रद्धालुओं के लिए पानी और बिजली की पुख्ता व्यवस्था भी कर दी गई है।सीधा रास्ता हो जाने से अब वाहनों से भी सीधे मंदिर पहुंच सकेंगे श्रद्धालु,क्योंकि कीकरों को हटाकर मंदिर के रास्ते को इतना सुगम और चौड़ा बना दिया गया है कि अब आने वाले श्रद्धालु सीधे मंदिर के द्वार तक पहुंच सकते हैं। प्राचीन धरोहर के पुनर्जीवित होने और माता की मूर्ति की पुनः स्थापना होने से ग्रामीणों में भारी उत्साह है और अब यहाँ फिर से श्रद्धालुओं की रौनक लौटने लगेगी और आस्था का सैलाब दिखाई देगा। स्वयं सिद्ध अबूझ मूहर्त में किये गए इस पुनीत कार्यक्रम के दौरान समाज सेवी डॉ राजेंद्र कुमावत,सोहन सेन, रविकांत गुप्ता,संजय बारी नथमल अग्रवाल,राजेश सिंह ,विनोद बारी,संजय पाराशर,महेंद्र कुमावत मिस्त्री,रतन नायक, मामराज,चेतन कुमावत, विकास कुमावत,राकेश कुमावत, नरसी राम कुमावत सहित कई गणमान्य लोग व महिलाओ ने उपस्थित होकर सहभागिता निभाई।

निकोटीन पर एफडीए के फैसले ने भारत में वैज्ञानिक मूल्यांकन पर जोर दिया

मुंबई। अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) द्वारा कुछ नॉन-कंबस्टिबल निकोटीन उत्पादों के लिए मोडिफाईड रिस्क क्लेम्स को मंजूरी दिए जाने के बाद विशेषज्ञों ने भारत में उपलब्ध वैश्विक वैज्ञानिक प्रमाणों का स्वतंत्र और निष्पक्ष मूल्यांकन किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उनका कहना है कि भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप इन निष्कर्षों की समीक्षा इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के नेतृत्व में की जानी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, स्वीडन, यूनाइटेड किंगडम, जापान और नॉर्वे जैसे देशों में नॉन-कंबस्टिबल विकल्पों के बढ़ते उपयोग के साथ धूम्रपान में कमी दर्ज की गई है। हालांकि, इन मॉडलों को भारत में सीधे लागू करने के बजाय उनके वैज्ञानिक आधार का वस्तुनिष्ठ विश्लेषण आवश्यक है। सर गंगाराम हॉस्पिटल, नई दिल्ली के वरिष्ठ सलाहकार एवं पद्मश्री सम्मानित डॉ. मोहसिन वली ने कहा कि कोविड-19, क्लिनिकल ट्रायल और जीन थेरेपी जैसे क्षेत्रों में आईसीएमआर ने अंतरराष्ट्रीय मानकों का अध्ययन कर उन्हें भारतीय आवश्यकताओं के अनुरूप अपनाया है। इसी तरह तंबाकू और निकोटीन से जुड़े वैश्विक शोध का भी स्वतंत्र मूल्यांकन किया जाना चाहिए। एम्स, नई दिल्ली के पूर्व प्रोफेसर एवं पद्मश्री सम्मानित डॉ. चंद्रकांत एस. पांडव ने कहा कि अमेरिका के आंकड़ों के अनुसार एफडीए के फैसले के बाद युवाओं में तंबाकू उपयोग में कमी दर्ज की गई है। उनका मानना है कि युवाओं की सुरक्षा और वयस्क उपभोक्ताओं के लिए कम जोखिम वाले विकल्पों का वैज्ञानिक मूल्यांकन–दोनों उद्देश्य साथ-साथ पूरे किए जा सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में तंबाकू नियंत्रण नीति को मजबूत बनाए रखने के लिए वैश्विक और भारतीय वैज्ञानिक प्रमाणों की आईसीएमआर द्वारा स्वतंत्र समीक्षा समय की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर रोजगार सृजन और कौशल विकास का संकल्प और अधिक सशक्त : लोढ़ा

मुंबई। महाराष्ट्र के आर्थिक विकास को गति देने के लिए उद्योग, निवेश और रोजगार सृजन को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। राज्य में सृजित होने वाले प्रत्येक रोजगार अवसर के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार करना हमारी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विभाग रोजगार सृजन, कौशल विकास और उद्यमिता के अपने संकल्प को और अधिक सशक्त कर रहा है। कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में महाराष्ट्र ने उद्योग, निवेश और बुनियादी ढांचा विकास के क्षेत्र में देश में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। दावोस में हुए ?15.70 लाख करोड़ के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) के माध्यम से लगभग 15.95 लाख रोजगार सृजन का

मार्ग प्रशस्त हुआ है। इन रोजगार अवसरों का लाभ महाराष्ट्र के युवाओं को मिले, इसके लिए कौशल विकास विभाग उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल एवं रोजगार योग्य मानव संसाधन तैयार करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि अप्रैल 2024 से जून 2026 के दौरान विभाग द्वारा 1,619 रोजगार मेलों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से 85,834 युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री युवा कार्य प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत 1,38,635 युवाओं को प्रत्यक्ष प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा ?897.65 करोड़ की छात्रवृत्ति वितरित की गई। इसके अतिरिक्त, राज्य के 2,507 कौशल प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से 3.84 लाख से अधिक युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जबकि राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप योजनाओं के तहत 1.71 लाख से अधिक अभ्यर्थी रोजगार योग्य बने हैं। राज्य के आईटीआई संस्थानों से प्रतिवर्ष लगभग 1.5 लाख युवा उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल मानव संसाधन के रूप में तैयार हो रहे हैं। आधुनिक तकनीक, अल्पकालिक पाठ्यक्रम, कौशल केंद्रों और उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को बदलते रोजगार बाजार के अनुरूप सक्षम बनाया जा रहा है। कौशल विकास केंद्रों, अप्रेंटिसशिप, शॉर्ट टर्म कोर्स तथा आईटीआई के माध्यम से चालू वित्तीय वर्ष में लगभग 7.5 लाख अभ्यर्थी रोजगार योग्य बने हैं। उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए राज्य में 36 स्टार्टअप केंद्र, मुख्यमंत्री महाफंड तथा स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने वाली विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। विभाग केवल रोजगार खोजने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाले युवाओं को तैयार करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। अंत में मंत्री लोढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा विकसित महाराष्ट्र के लिए प्रस्तुत रोजगारोन्मुख विकास दृष्टि को साकार करने हेतु हमारा विभाग पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रहा है। उनके जन्मदिवस के अवसर पर हम युवाओं को अधिक कौशलयुक्त, रोजगार योग्य और उद्यमी बनाने के अपने संकल्प को और अधिक सुदृढ़ कर रहे हैं। उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु प्राप्त हो तथा उनके नेतृत्व में महाराष्ट्र विकास की नई ऊँचाइयों को निरंतर प्राप्त करता रहे, यही हमारी शुभकामना है।

ई-कॉमर्स बाजार 2030 तक 250 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा

मुंबई। भारत का अग्रणी एआई-ड्रिवन कॉमर्स एनेबलर शिपरॉकेट ने डेलॉइट के साथ साझेदारी में आज अकफॉर भारत कॉमर्सः $250 बिलियन बिजनेस अवसर को अनलॉक करना रिपोर्ट जारी की। यह रिपोर्ट भारत के ई-कॉमर्स इंडस्ट्री के अगले ग्रोथ फेज को मैप करती है। अध्ययन में प्रोजेक्ट किया गया है कि भारत का ई-कॉमर्स मार्केट 2025 में लगभग $90 बिलियन से बढ़कर 2030 तक करीब $250 बिलियन तक पहुँच जाएगा। इसमें एआई-पावर्ड डिस्कवरी, चेकआउट इंटेलिजेंस और फुलफिलमेंट इनोवेशन उपभोक्ताओं की अगली पीढ़ी के ऑनलाइन शॉपिंग अनुभव को नया रूप देंगे। रिपोर्ट में भारत की डिजिटल कॉमर्स यात्रा में भारत की बढ़ती अहमियत पर भी जोर दिया गया है। 488 मिलियन ग्रामीण इंटरनेट यूजर्स भारत की सक्रिय इंटरनेट जनसंख्या का 55% हिस्सा हैं। 98% इंटरनेट यूजर्स इंडिक भाषाओं में कंटेंट देखते हैं और वर्नाक्युलर वॉइस क्वेरीज इंग्लिश की तुलना में 156% अधिक बढ़ रही हैं। ऐसे में व्यवसायों को अधिक समावेशी और वर्नाक्युलर-फर्स्ट कॉमर्स एक्सपीरियंस बनाने होंगे। रिपोर्ट यह भी बताती है कि टियर II और टियर III शहर पहले से ही भारत के ऑनलाइन शॉपर्स का 60% से अधिक हिस्सा रखते हैं, जो भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में बढ़ते योगदान को दर्शाता है। यह रिपोर्ट भारतीय ई-कॉमर्स के भविष्य को आकार देने वाले तीन प्रमुख ट्रेंड्स को रेखांकित करती है। इसके तहत, एडवांस्ड और जेनरेटिव एआई मॉडल इंटेलिजेंट रिकमेंडेशन, कन्वर्सेशनल कॉमर्स और विजुअल डिस्कवरी के जरिए ग्राहकों को एआई-पावर्ड पर्सनलाइजेशन के साथ एक सहज शॉपिंग अनुभव प्रदान कर रहे हैं। वहीं, कन्वर्जन इंटेलिजेंस के माध्यम से एआई-आधारित सुझाव, प्रेडिक्टिव डिसीजन-मेकिंग और कस्टमर एंगेजमेंट ब्रांड्स को कन्वर्जन, कस्टमर रिटेंशन तथा एवरेज ऑर्डर वैल्यू बढ़ाने में मदद कर रहे हैं।

मुंबई का सबसे बहुप्रतीक्षित लक्जरी ज्वेलरी शोकेस फिर लौट रहा है द सेंट रेजिस में

मुंबई। लक्जरी, उत्कृष्ट शिल्पकला और कालातीत सुंदरता का अनूठा संगम एक बार फिर देखने को मिलेगा, जब ज्वेलरी वर्ल्ड एग्ज़िबिशन 24 से 26 जुलाई 2026 तक द सेंट रेजिस, मुंबई में आयोजित होगा। इस प्रतिष्ठित प्रदर्शनी में भारत के सबसे प्रसिद्ध और विश्वसनीय ज्वेलरी हाउसेज अपनी बेहतरीन कलेक्शंस के साथ एक ही मंच पर उपस्थित होंगे। मुंबई के सबसे प्रतिष्ठित लक्जरी डेस्टिनेशनों में से एक द सेंट रेजिस में आयोजित यह प्रदर्शनी उन ग्राहकों के लिए एक विशेष अनुभव लेकर आएगी जो उत्कृष्ट आभूषणों, बेजोड़ कारीगरी और विशिष्ट डिजाइनों की तलाश में हैं। इसमें दुल्हन बनने वाली महिलाएँ, ज्वेलरी प्रेमी, फैशन प्रेमी, निवेशक और हाई-नेट-वर्थ ग्राहक विशेष आकर्षण का केंद्र होंगे। भव्य ब्राइडल ज्वेलरी, प्राकृतिक हीरे, पारंपरिक पोल्की, जड़ाऊ, कुंदन, दुर्लभ रत्न, हस्तनिर्मित स्वर्ण आभूषण, समकालीन डिजाइन और विशेष रूप से तैयार की गई लक्जरी कलेक्शंस–हर आभूषण भारतीय विरासत, उत्कृष्ट शिल्पकला और कालातीत सौंदर्य की

कहानी बयां करेगा। ज्वेलरी वर्ल्ड केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारतीय आभूषण कला और लक्जरी का एक भव्य उत्सव है। प्रत्येक सहभागी ज्वेलर का चयन उनकी उत्कृष्ट कारीगरी, नवाचार और विशिष्ट डिजाइनों के आधार पर किया गया है। आगंतुकों को प्रदर्शनी के दौरान विशेष रूप से लॉन्च किए गए कलेक्शंस, व्यक्तिगत परामर्श तथा दुर्लभ हस्तनिर्मित आभूषण देखने और खरीदने का अनूठा अवसर मिलेगा। लक्जरी और भारतीय विरासत का उत्सवः प्रदर्शनी के बारे में अपने विचार साझा करते हुए ज्वेलरी वर्ल्ड एग्ज़िबिशन्स की संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक सोनिया चावला तथा शान चावला ने कहाः लक्जरी केवल आभूषणों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विरासत, उत्कृष्ट शिल्पकला, भावनाओं और पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ने वाली कहानियों का प्रतीक है। ज्वेलरी वर्ल्ड एग्ज़िबिशन का उद्देश्य भारत के सर्वश्रेष्ठ ज्वेलरी हाउसेज को एक शानदार और प्रेरणादायक वातावरण में एक साथ लाना है, जहाँ आगंतुक भारतीय आभूषण कला की सर्वोत्तम झलक का अनुभव कर सकें। इस प्रदर्शनी का एक और प्रमुख आकर्षण होंगे शान चावला, जो एक प्रसिद्ध लक्जरी ज्वेलरी उद्यमी, डिजिटल क्रिएटर और Jewellery Insider के चेहरे हैं। वे पूरे आयोजन के दौरान विभिन्न ज्वेलरी ब्रांड्स, डिजाइनर्स और उद्योग जगत के विशेषज्ञों के साथ संवाद करेंगे तथा भारतीय लक्जरी ज्वेलरी की अनकही कहानियों और उत्कृष्ट शिल्पकला को दर्शकों तक पहुँचाएंगे। चाहे आप अपनी ड्रीम वेडिंग की तैयारी कर रहे हों, प्राकृतिक हीरों में निवेश करना चाहते हों, विरासत में मिलने योग्य आभूषणों की तलाश कर रहे हों या फिर विश्वस्तरीय ज्वेलरी का अनुभव लेना चाहते हों– ज्वेलरी वर्ल्ड एग्ज़िबिशन आपको एक अविस्मरणीय लक्जरी अनुभव प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

मुंबई । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन पर आज बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा, महाराष्ट्र के उपाध्यक्ष एसएम खान द्वारा भाजपा कार्यालय, वसोर्वा विधानसभा के आनंद नगर जोगेश्वरी (पश्चिम) में रक्तदान शिविर का प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया। अल्पसंख्यक मोर्चा के महाराष्ट्र उपाध्यक्ष एस एम खान द्वारा सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित कार्यक्रम में अल्पसंख्यक मोर्चा महाराष्ट्र के अध्यक्ष इदरीश मुल्तानी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि रक्तदान श्रेष्ठ दान है। हर व्यक्ति को अपने जीवन में रक्तदान जरुर करना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन पर एक अच्छे कार्यक्रम के लिए एसएम खान को बधाई दी। रक्तदान शिविर में भारी संख्या में लोगों ने बढ़ चढ़कर रक्तदान किया। महात्मा गांधी ब्लड बैंक हॉस्पिटल ब्लड बैंक द्वारा संग्रह किए गए ब्लड को सुरक्षित रखा गया। एसएम खान ने सभी रक्तदाताओं को धन्यवाद दिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि इदरीश मुल्तानी महाराष्ट्र अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा राज्य मंत्री. मुंबई अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा वसीम खान.उस्मान खान. हुसैन पठान.राज यादव. चंद्रकांत शिंदे. इश्तियाक वी जागीरदार. हुसैन पठान. सुनील दुबे. आरके दुबे मनोज यादव. पंकज शर्मा. आरिफ हयात. जनतु निसा सायरा आपा सबीना शेख सरिता डांगे समेत भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता व स्थानीय रहवासी उपस्थित थे।

सैमसंग ने फोल्डेबल पोर्टफोलियो का विस्तार किया

मुंबई। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज अपना अब तक का सबसे संपूर्ण गैलेक्सी Z लाइनअप पेश किया और तीन ऐसी डिवाइसेस के साथ अपने फोल्डेबल पोर्टफोलियो का विस्तार किया, जो लोगों के काम करने, कुछ नया रचने और आपस में जुड़े रहने के अलग-अलग तरीकों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। इस नए लाइनअप में नया गैलेक्सी Z फोल्ड8 फॉर्म फैक्टर, गैलेक्सी Z फोल्ड8 अल्ट्रा और गैलेक्सी Z फ्लिप8 शामिल हैं। नई गैलेक्सी Z सीरीज बड़ी स्क्रीन, कवर डिस्प्ले और फ्लेक्सिबल डिजाइन के लिए खास तौर पर तैयार किए गए अनुभवों के जरिए गैलेक्सी एआई को रोजमर्रा की जिंदगी के और करीब लाती है। पूरे लाइनअप में एआई अब पहले से ज्यादा पर्सनल, प्रोएक्टिव और कनेक्टेड है, जो यूजर्स को कम स्टेप्स में काम पूरा करने में मदद करता है, और साथ ही पारदर्शिता, प्राइवेसी और यूजर कंट्रोल को भी पूरी तरह बनाए रखता है। सैमसंग का गैलेक्सी Z फोल्ड8 मात्र 201 ग्राम वजन के साथ कंपनी का अब तक का सबसे हल्का फोल्डेबल फोन है, जिसमें 10:16 कवर डिस्प्ले और 4:3 मुख्य डिस्प्ले दिया गया है जो ब्राउज़िंग, पढ़ने, गेमिंग और मल्टीटास्किंग को आसान बनाता है। नई Flex Titanium तकनीक की वजह से यह पहले से अधिक पतला, मजबूत और कम दिखने वाली क्रीज (फोल्ड रेखा) के साथ आता है, जबकि इसका डिस्प्ले 3000 निट्स ब्राइटनेस, विजन बूस्टर और लो-रिफ्लेक्शन फिनिश से लैस है। बेहतरीन परफॉर्मेंस और ऑल-डे बैटरी लाइफ के लिए इसमें स्नैपड्रैगन 8 एलीट जेन 5 फॉर गैलेक्सी प्रोसेसर और 4800mAh की बैटरी दी गई है, वहीं फोटोग्राफी के लिए समान क्वालिटी देने वाले 50MP (वाइड व अल्ट्रा-वाइड) कैमरे, डुअल रिकॉर्डिंग और स्वचालित सब्जेक्ट ट्रैकिंग वाला 'माय फैनकैम' फीचर शामिल है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का Q1FY27 में शुद्ध लाभ 5,332 करोड़ पर, कारोबार में 7.46% वृद्धि

मुंबई। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के निदेशक मंडल ने 30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए बैंक के वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी है। इस तिमाही में बैंक ने 5,332 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। बैंक की ब्याज आय 27,203 करोड़ रही। बैंक का कुल कारोबार वार्षिक आधार पर 7.46% बढ़कर 30 जून, 2026 को 23,79,697 करोड़ तक पहुँच गया। इसमें सकल अग्रिमों में 12.50% की वृद्धि, जबकि कुल जमा में 3.50% की वृद्धि दर्ज की गई। बैंक का कुल जमा आधार 12,83,366 करोड़ है। रिटेल, कृषि और एमएसएमई (RAM) क्षेत्र में वार्षिक आधार पर 11.56% की वृद्धि हुई, जिसमें रिटेल ऋण में 12.06% और एमएसएमई अग्रिमों में 16.49% की वृद्धि दर्ज की गई। एसेट क्वालिटी में भी सुधार देखने को मिला – सकल एनपीए 87 बेसिस पॉइंट्स घटकर 2.65% पर, जबकि शुद्ध एनपीए 15 बेसिस पॉइंट्स घटकर 0.47% पर आ गया। पूंजी पर्याप्तता की बात करें तो, 30.06.2026 को बैंक का CRAR 18.46% रहा, जबकि CET-1 अनुपात 15.30% से सुधरकर 16.38% हो गया।

हर बूथ पर विजय का संकल्प, 2027 के रण का भाजपा ने बजाया शंखनाद

-सुरेश गांधी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की औपचारिक आहट भले अभी दूर हो, लेकिन भाजपा ने चुनावी रणभूमि की सबसे निर्णायक चौकी–बूथ–पर अपना पहरा और मजबूत करना शुरू कर दिया है। प्रदेश की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ आयोजित बूथ अध्यक्ष सम्मेलनों के माध्यम से भाजपा ने स्पष्ट संकेत दे दिया कि उसकी चुनावी रणनीति का केंद्र सत्ता नहीं, बल्कि संगठन होगा। काशी क्षेत्र की 71 विधानसभा सीटों पर हुए इन सम्मेलनों में कार्यकर्ताओं को संगठन की रीढ़ बताते हुए बूथों को अभेद्य बनाने का संकल्प दोहराया गया। शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के पिपलानी कटरा स्थित सरोजा पैलेस में आयोजित सम्मेलन में भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बूथ अध्यक्षों का बूथवार सत्यापन कर सीधे जमीनी संगठन की नब्ज टटोली और स्पष्ट संदेश दिया कि ₹पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसका समर्पित कार्यकर्ता और मजबूत बूथ संगठन है।

बूथ अध्यक्ष ही भाजपा की चुनावी विजय का पहला प्रहरी : धर्मपाल सिंह

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के लिए बूथ केवल मतदान केंद्र नहीं, बल्कि विचार, संगठन और जनविश्वास का सबसे मजबूत केंद्र है। उन्होंने कहा कि बूथ पर पार्टी की ताकत बढ़ाना बूथ अध्यक्ष का सबसे महत्वपूर्ण दायित्व है। यदि बूथ मजबूत होगा तो संगठन मजबूत होगा और संगठन मजबूत होगा तो चुनावी विजय स्वतः सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा का बहुचर्चित सूत्र ₹बूथ जीतो, चुनाव जीतो₹ केवल चुनावी नारा नहीं बल्कि वर्षों के संगठनात्मक अनुभव से निकला विजय मंत्र है। इसी सिद्धांत के बल पर भाजपा ने देश और प्रदेश की राजनीति में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह रही कि शहर दक्षिणी विधानसभा के सभी 353 बूथ अध्यक्षों का व्यक्तिगत सत्यापन किया गया। प्रत्येक बूथ अध्यक्ष के लिए अलग सीट निर्धारित थी, जिस पर विधानसभा संख्या 389, बूथ क्रमांक और संबंधित बूथ अध्यक्ष का नाम अंकित था। यह व्यवस्था भाजपा की सूक्ष्म संगठनात्मक कार्यशैली का परिचायक बनी। धर्मपाल

सिंह ने प्रत्येक बूथ की सक्रियता, सदस्यता, संगठनात्मक स्थिति और कार्यकर्ताओं की भागीदारी की जानकारी लेकर आगामी चुनाव की तैयारियों का विस्तृत आकलन किया।

पुराने कार्यकर्ता ही संगठन की पूंजी, नए कार्यकर्ता उसका भविष्य

धर्मपाल सिंह ने कहा कि संगठन की मजबूती केवल बैठकों और कार्यक्रमों से नहीं आती बल्कि निरंतर संवाद, समन्वय और सक्रिय भागीदारी से बनती है। उन्होंने बूथ अध्यक्षों को निर्देश दिया कि प्रत्येक बूथ पर सक्रिय और प्राथमिक सदस्यों की अद्यतन सूची तैयार की जाए तथा पुराने कार्यकर्ताओं, पूर्व पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और नए स्वयंसेवकों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखा जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता की क्षमता के अनुरूप जिम्मेदारी तय होनी चाहिए ताकि बूथ समिति जीवंत और सक्रिय बनी रहे। बूथ स्तर पर प्रदेश, क्षेत्र, जिला, मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ के सभी पदाधिकारियों के बीच समन्वय ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है।

राष्ट्र प्रथम की भावना ही भाजपा कार्यकर्ता की पहचान

धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता सत्ता के लिए नहीं बल्कि राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करता है। सेवा, समर्पण और संगठन ही भाजपा की कार्य संस्कृति की पहचान है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता समाज के हर वर्ग तक सरकार की योजनाओं और संगठन की विचारधारा पहुंचाने का कार्य पूरी निष्ठा से करते हैं।

2027 के लिए 'पूर्व तैयारी और पूर्ण तैयारी' का मंत्र

प्रदेश महामंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहा कि विधानसभा चुनाव 2027 के लिए अभी से पूरी तैयारी प्रारंभ करनी होगी। उन्होंने कहा कि चुनाव घोषणा के बाद तैयारी करने वाला संगठन पीछे रह जाता है, जबकि भाजपा पहले से बूथ स्तर तक अपनी संरचना को मजबूत करने की रणनीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने कार्यकताओं का आह्वान किया कि प्रत्येक बूथ को 'आदर्श बूथ' बनाया जाए तथा स्थानीय नागरिकों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी, बूथ अध्यक्ष उसकी ऊर्जा का केंद्र : डॉ. नीलकंठ तिवारी

शहर दक्षिणी के विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संपूर्ण संगठन कार्यकताओं की शक्ति पर खड़ा है। बूथ अध्यक्ष संगठन की वह कड़ी है जो सरकार, संगठन और समाज के बीच सेतु का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता केवल चुनाव के समय सक्रिय नहीं होता बल्कि वर्षभर समाज सेवा, जनसंपर्क और जनकल्याण के कार्यों में लगा रहता है। उन्होंने कहा कि बूथ अध्यक्ष के नेतृत्व में ही सरकार की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं और यही भाजपा की सबसे बड़ी संगठनात्मक विशेषता है। सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर वंदे मातरम् का सामूहिक गान किया गया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा महानगर उपाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन महानगर उपाध्यक्ष साधना वेदांती ने दिया। सम्मेलन में भाजपा काशी क्षेत्र अध्यक्ष अशोक चौरसिया, विधान परिषद सदस्य अरुण पाठक, आत्मा विश्वेश्वर, जगदीश त्रिपाठी, इंजीनियर अशोक यादव, एडवोकेट अशोक जाटव, बबलू सेठ, राजीव सिंह डब्बू, तारकेश्वर गुप्ता 'बंटी', नवरत्न राठी, संतोष सोलापुरकर, गोपाल जी गुप्ता, संजय केशरी, अंकुर मल्होत्रा, नलिन नयन मिश्रा, मनोज यादव, कनकलता मिश्रा, श्रवण गुप्ता, संदीप चौरसिया सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और सभी 353 बूथ अध्यक्ष उपस्थित रहे।

सूर्या प्रादेशिक जलापूर्ति परियोजना के काम की प्रगति की समीक्षा

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महानगरपालिका के अत्यंत महत्वपूर्ण सूर्या प्रादेशिक जलापूर्ति परियोजना के कार्य की प्रगति की विस्तृत समीक्षा महापौर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में की गई। बैठक में परियोजना की वर्तमान स्थिति, काम की गति और आगे की योजना का व्यापक आकलन किया गया। एलएंडटी और ईगल इंफ्रास्ट्रक्चर इन दो ठेकेदार कंपनियों के माध्यम से चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए एमएमआरडीए के अधिकारियों और संबंधित ठेकेदारों को आपसी समन्वय के साथ परियोजना का काम युद्धस्तर पर करते हुए निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मनपा आयुक्त राधाबिनोद शर्मा, उपमहापौर ध्रुपकिशोर पाटील, स्थायी समिति सभापति हसमुख गहलोत, शहर अभियंता दीपक खांबित, कार्यकारी अभियंता शरद नानेगावकर, मुख्य विधि अधिकारी सई वडके, ईएचवी प्रोजेक्ट के अधीक्षक अभियंता क्रांसे, कार्यकारी अभियंता आठवले, एमएमआरडीए के कार्यकारी अभियंता मिलिंद खवरे एवं अजिंक्य केनेकर, तथा महाराष्ट्र राज्य विद्युत पारेषण कंपनी के कार्यकारी अभियंता राहुल नांदूरकर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर कहा गया कि सूर्या प्रादेशिक जलापूर्ति परियोजना को जल्द से जल्द पूरा कर मीरा भायंदर के नागरिकों को नियमित, पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण जलापूर्ति उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन पूरी क्षमता से कार्य कर रहा है। शहर के सर्वांगीण विकास के लिए मनपा पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

अरसिया बाजार में दिनदहाड़े फायरिंग से मचा हड़कंप, पीड़ित ने पुलिस से लगाई सुरक्षा की गुहार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना क्षेत्र के अरसिया बाजार में बाइक सवार बदमाशों द्वारा दिनदहाड़े फायरिंग किए जाने से इलाके में दहशत फैल गई। घटना के बाद आसपास के लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। अरसिया निवासी नीरज कन्नौजिया ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि जमशेद अहमद पुत्र मोहम्मद इलियास अपने दो साथियों के साथ बाइक से उनके घर के सामने पहुंचा और असलहे से कई राउंड फायरिंग की। आरोप है कि बदमाशों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी और वारदात के बाद मौके से फरार हो गए। फायरिंग की आवाज सुनकर घर में मौजूद परिवार के सदस्य और आसपास के लोग सहम गए। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए परिवार की सुरक्षा की मांग की है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है और उसके साथ कई अन्य लोग जुड़े हुए हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में कोई बड़ी घटना हो सकती है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हेलेन ने साझा किया आशा भोसले के साथ अपने अटूट रिश्ते का खूबसूरत किस्सा

पटना। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 के 'रेट्रो क्वींस का जश्न', जो इंडिया वाला डांस का उत्सव मना रहा है, में दिग्गज अभिनेत्री और डांस आइकॉन हेलेन ने मशहूर पार्श्व गायिका आशा भोसले के साथ अपनी अमिट कलात्मक साझेदारी और गहरे व्यक्तिगत रिश्ते को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे आशा भोसले की आवाज उनकी ऑन-स्क्रीन पहचान का अभिन्न हिस्सा बन गई थी। हेलेन ने यह भी कहा कि वह आशा जी के बारे में पूरी ज़िंदगी बात कर सकती हैं। आर. डी. बर्मन जैसे महान संगीतकारों द्वारा रचित 250 से अधिक सुपरहिट गीतों की अपनी शानदार विरासत को याद करते हुए हेलेन ने बताया कि जब भी कोई गीत उनके लिए रिकॉर्ड किया जाता था, आशा भोसले उसमें अपना विशेष जादू और जुनून भर देती थीं। ₹आशा जी मेरी सबसे पसंदीदा थीं। उन्होंने मुझे अपनी आवाज दी और उसी वजह से मैंने फिल्म इंडस्ट्री में इतिहास रचा। मैंने आशा जी के साथ 250 से भी ज्यादा गाने किए हैं। वह हमेशा प्रोड्यूसर-डायरेक्टर से पूछती थीं, 'ये गाना कौन करने वाला है?' और जब उन्हें बताया जाता था, 'हेलेन', तब वह उस गाने में एक अलग ही जोश और जान डाल देती थीं।

एनआईएसएम और सेबी ने नेशनल फाइनेंशियल लिटरेसी क्विज 2026 का शुभारंभ किया

मुंबई। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट्स ने सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया के सहयोग में नेशनल फाइनेंशियल लिटरेसी क्विज (NFLQ) 2026 का सफल शुभारंभ किया है। इसका पहला रिजनल राउंड मुंबई के के.सी. कॉलेज में आयोजित किया गया। इस दो-दिवसीय कार्यक्रम में 'महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात और दादरा एवं नगर हवेली (केंद्र शासित प्रदेश)' सहित पश्चिमी प्रांतों के अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट छात्र एक मंच पर आए, जिसने युवा छात्रों में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने की भारत की सबसे बड़ी पहलों में से एक को मंच प्रदान किया है। क्विज के लिए छात्रों के चयन हेतु आयोजित कॉलेज तथा ऑनलाइन क्वालीफाइंग राउन्ड में देश भर से लगभग 4 लाख से

अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। उनके प्रदर्शन के आधार पर अग्रणी टीमें भारत के पूर्वी, दक्षिणी, उत्तरी, मध्य, पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में आयोजित किए जा रहे रिजनल राउंड्स में आगे बढ़े हैं।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट्स के डिरेक्टर सशी कृष्णन ने कहा, वित्तीय साक्षरता जीवन का एक आवश्यक कौशल (स्किल) है। यह युवाओं को आत्मविश्वास और जिम्मेदारी के साथ सही वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम बनाता है। नेशनल फाइनेंशियल लिटरेसी क्विज के माध्यम से, NISM का उद्देश्य वित्तीय बाजारों, निवेशकों के अधिकारों और सही वित्तीय तौर-तरीकों के बारे में आकर्षक शैली में जागरूकता पैदा करना है। छात्रों से मिली उत्साही प्रतिक्रिया वित्तीय क्षमता निर्माण के मामले में युवा भारतीयों में बढ़ती रुचि को दर्शाती है और हम भविष्य के जागरूक और जिम्मेदार निवेशक तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस अवसर पर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया के जनरल मेनेजर विकास एस. एस. ने कहा, एक जागरूक निवेशक एक मजबूत और विश्वसनीय प्रतिभूति बाजार की नींव होता है। नेशनल फाइनेंशियल लिटरेसी क्विज जैसी पहल छात्रों को निवेश के सिद्धांतों, बाजार के नियमों (मार्केट रेगुलेशन) और निवेशक संरक्षण की शुरूआती समझ प्रदान करती है। सेबी वित्तीय जागरूकता को बढ़ावा देने एवं भारत के विकासशील वित्तीय इकोसिस्टम में जिम्मेदारी से शामिल होने के लिए युवा दिमागों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

2027 की जीत का मंत्र : मेरा बूथ, सबसे मजबूत, भदोही में भाजपा ने बूथ कार्यकर्ताओं में फूंका चुनावी जोश

भदोही। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को गति देते हुए बुधवार को भदोही की तीनों विधानसभा सीटों–भदोही, ज्ञानपुर और औराई–में बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए। सम्मेलन में संगठन की सबसे छोटी इकाई बूथ को चुनावी विजय का सबसे मजबूत आधार बताते हुए कार्यकताओं से अभी से जनसंपर्क और संगठन विस्तार में जुटने का आह्वान किया गया।

भदोही विधानसभा क्षेत्र के बूथ अध्यक्षों की बैठक सुरियावां स्थित पूर्व विधायक रवीन्द्र नाथ त्रिपाठी के प्रतिष्ठान पर आयोजित हुई। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा,

जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध तिवारी, पूर्व विधायक रवीन्द्र नाथ त्रिपाठी तथा मुख्य अतिथि के रूप में मिजार्पुर नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन महेश जायसवाल उपस्थित रहे। बैठक में पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री सरवर सिद्दीकी ने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र मेरा बूथ, सबसे मजबूत ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव 2027 में विजय सुनिश्चित करने के लिए बूथ स्तर को और अधिक सशक्त बनाने पर विशेष बल दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि किसी भी चुनाव में जीत का वास्तविक आधार जमीनी कार्यकर्ता होते हैं। बूथ स्तर पर सक्रिय और समर्पित कार्यकताओं के परिश्रम से ही संगठन घर-घर तक अपनी नीतियों और सरकार की उपलब्धियों को पहुंचा सकता है। उन्होंने कार्यकताओं से प्रत्येक बूथ पर संगठन को मजबूत करने तथा जनसंपर्क अभियान को तेज करने का आह्वान किया। सरवर सिद्दीकी ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों तथा ₹सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास₹ के संकल्प के आधार पर भारतीय जनता पार्टी वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पुनः प्रचंड जनसमर्थन प्राप्त करेगी। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने भी संगठन की मजबूती, बूथ प्रबंधन और कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी को चुनावी सफलता की कुंजी बताते हुए सभी कार्यकताओं से पूरे उत्साह के साथ संगठनात्मक कार्यक्रमों में भाग लेने का आह्वान किया।